website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 36 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

आर्मी एरिया से बाहर पहली बार जयपुर में सेना दिवस परेड

-डेढ़ लाख लोगों ने देखा शौर्य प्रदर्शन

जयपुर । जयपुर ने गुरुवार को इतिहास रच दिया, जब आर्मी एरिया से बाहर पहली बार सेना दिवस की भव्य परेड आयोजित की गई। 78वें सेना दिवस के अवसर पर यह ऐतिहासिक परेड जगतपुरा के महल रोड पर हुई, जिसमें भारतीय सेना की 7 रेजिमेंट की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। तीन किलोमीटर लंबे परेड मार्ग—जीवन रेखा हॉस्पिटल चौराहा से बॉम्बे हॉस्पिटल चौराहा तक—सुबह से ही देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। इस ऐतिहासिक आयोजन को देखने के लिए डेढ़ लाख से अधिक लोग पहुंचे और पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल रहा। सुबह 10:10 बजे शुरू होकर 11:25 बजे तक चली इस परेड के लिए विशेष रजिस्ट्रेशन व्यवस्था की गई थी। केवल पंजीकृत दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई और सुबह 8:45 बजे तक एंट्री दी गई। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे, छतों और तय दर्शक स्थलों पर मौजूद रहे। आयोजन स्थल के आसपास 18 अलग-अलग जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी, ताकि यातायात सुचारु बना रहे।

कड़े सुरक्षा इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर निगरानी-

इतने बड़े सार्वजनिक आयोजन को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सुबह से ही महल रोड और आसपास के क्षेत्रों में डॉग स्क्वॉयड, मेटल डिटेक्टर और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रही। हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रखी गई। प्रशासन और सेना के संयुक्त प्रयासों से सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त लेकिन सुव्यवस्थित रही, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

वीरता पुरस्कार विजेताओं ने किया परेड का नेतृत्व-

परेड की शुरुआत अत्यंत भावुक क्षणों के साथ हुई। ऑपरेशन 'सिंदूर' में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित सेना अधिकारियों ने परेड कमांडर को सलामी दी। विशेष आकर्षण यह रहा कि अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित अधिकारी परेड का नेतृत्व करते नजर आए। इन वीरों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण था।

मिजोरम के राज्यपाल मुख्य अतिथि, कई गणमान्य रहे मौजूद-

इस भव्य परेड में मुख्य अतिथि के रूप में मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल वीके सिंह शामिल हुए। उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंच से सेना की शौर्य गाथा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प को रेखांकित किया गया।

जयपुर में एक साथ तीन बड़े आयोजन-

गुरुवार को जयपुर में एक साथ तीन बड़े कार्यक्रम आयोजित होने से शहर प्रशासन के सामने चुनौती भी थी। महल रोड पर सेना दिवस परेड के साथ-साथ जेएलएन मार्ग पर जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (JLF) और सवाई मान सिंह (SMS) स्टेडियम में 'शौर्य संध्या' का आयोजन हुआ। शाम के कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शामिल होने की वजह से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था और भी सख्त रही। अलग-अलग समय पर तीनों मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू किए गए, ताकि आम लोगों को कम से कम असुविधा हो।

विश्वनाथ से रामेश्वरम तक सांस्कृतिक संगम

-एक भारत, श्रेष्ठ भारत की जीवंत अभिव्यक्ति- पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी-तमिल संगमम को "विश्वनाथ से रामेश्वरम तक एक उत्सव" बताते हुए इसे एक भारत, श्रेष्ठ भारत और विविधता में एकता की जीवंत मिसाल कहा है। उनके अनुसार यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को जोड़ने वाला एक ऐसा पर्व है, जो देश के अलग-अलग कोनों को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से एक सूत्र में पिरोता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में सोमनाथ की पवित्र भूमि पर आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में भाग लिया, जहां देशभर से आए लोगों से उनकी मुलाकात हुई। इनमें कुछ ऐसे लोग भी थे, जो पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम और काशी-तमिल संगमम का हिस्सा रह चुके थे। इन आयोजनों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच और अनुभवों ने प्रधानमंत्री को गहराई से प्रभावित किया। इसी प्रेरणा से उन्होंने अपने विचार देशवासियों के साथ साझा किए। 'मन की बात' के एक एपिसोड को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिल भाषा न सीख पाने का उन्हें आज भी दुख है। उन्होंने इसे सौभाग्य बताया कि बीते वर्षों में सरकार तमिल भाषा और संस्कृति को देशभर में लोकप्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। यह पहल एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत करती है। भारतीय संस्कृति में "संगम" का विशेष महत्व है और इसी दृष्टि से काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयोग है, जो विविध परंपराओं के बीच सामंजस्य और परस्पर सम्मान को दर्शाता है। काशी और तमिलनाडु के बीच ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम् का विशेष महत्व है। तेनकासी को दक्षिण काशी कहा जाता है। महाकवि सुब्रमण्यम भारती को भी काशी में बौद्धिक और आध्यात्मिक चेतना मिली, जिसने उनके राष्ट्रवाद और साहित्य को नई दिशा दी। वर्ष 2022 में वाराणसी से शुरू हुए काशी-तमिल संगमम ने हर वर्ष नए आयाम जोड़े। 2023 में तकनीक का व्यापक उपयोग हुआ, ताकि भाषा बाधा न बने, और तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया गया। चौथा संस्करण 2 दिसंबर 2025 को शुरू हुआ, जिसकी थीम थी— तमिल करकलम् (तमिल सीखें)। इससे काशी और आसपास के लोगों को तमिल भाषा सीखने का अनूठा अवसर मिला। इस आयोजन में तोलकाप्पियम जैसे प्राचीन तमिल ग्रंथ का कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ, पांड्य वंश के महान शासक आदि वीर पराक्रम पांडियन को श्रद्धांजलि दी गई, और नमो घाट, बीएचयू व अन्य स्थानों पर शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड:

-श्रीनगर में डल झील जमी, राजस्थान और हरियाणा में तापमान शून्य के करीब

नई दिल्ली । उत्तर भारत में इस समय कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक ठंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तापमान कई स्थानों पर शून्य से नीचे चला गया है, जिससे पानी के स्रोत जम गए हैं और प्रशासन को एहतियाती कदम उठाने पड़ रहे हैं। कश्मीर घाटी में ठंड अपने चरम पर है। श्रीनगर में मंगलवार रात न्यूनतम तापमान माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सर्दी के सबसे ठंडे दिनों में से एक माना जा रहा है। लगातार कई दिनों से शून्य से नीचे तापमान बने रहने के कारण प्रसिद्ध डल झील पूरी तरह जम गई है। डल झील के साथ-साथ कश्मीर के कई छोटे-बड़े जल स्रोतों में भी बर्फ की मोटी परत जम गई है। स्थानीय लोगों को पानी की आपूर्ति और दैनिक जरूरतों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर में 'चिल्लई कलां' का दौर चल रहा है, जिसे सबसे कठोर शीतकाल माना जाता है। राजस्थान में भी सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ असर दिखाया है। राज्य के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में बुधवार को तापमान माइनस 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। यहां खुले स्थानों पर बर्फ जमने की स्थिति देखी गई। वहीं, सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राज्य के कई हिस्सों में रात और सुबह के समय तेज गलन महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 जनवरी से राज्य में हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है। हरियाणा में पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने ठंड को और तीखा बना दिया है। राज्य के आठ जिलों में बुधवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। हिसार में पिछले दो वर्षों का सर्दी का रिकॉर्ड टूट गया, जहां न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले 15 जनवरी 2025 को यहां तापमान 3.5 डिग्री और 16 दिसंबर 2024 को 1.1 डिग्री सेल्सियस रहा था। ठंड के कारण सुबह और रात के समय कोहरा और गलन बढ़ गई है, जिससे यातायात भी प्रभावित हो रहा है। उत्तराखंड में भी मौसम के हालात गंभीर बने हुए हैं। भीषण सर्दी को देखते हुए हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर जिलों में गुरुवार को 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।

ईरान फांसी देने के फैसले से पीछे हट गया

-ट्रम्प ने किया प्रदर्शनकारियों की हत्याओं का दावा रोका

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका की कड़ी चेतावनी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बाद ईरान ने प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के अपने फैसले से पीछे हटने का संकेत दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बुधवार को स्पष्ट किया कि ईरान के पास लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' में कहा, "फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता।" इस बयान से पहले ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल कर उन्हें जल्दी फांसी देने की योजना बनाई थी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई प्रदर्शनकारियों की मौतों और गिरफ्तारी की घटनाओं के बाद यह कदम विवादों में फंसा हुआ था। विशेषकर 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को बुधवार को फांसी देने की तैयारी की गई थी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया और ईरान को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ईरान ने फांसी दी तो उसका जवाब बेहद भयानक होगा। ट्रम्प की इस चेतावनी के बाद ईरान की ओर से अचानक पॉलिसी में बदलाव आया। बुधवार को ट्रम्प ने भी ट्वीट और मीडिया में कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुक गई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक आलोचना के बीच ईरान की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया हो सकती है। ईरानी विदेश मंत्री का बयान इस बात को दर्शाता है कि सरकार अब अंतरराष्ट्रीय दबाव को नजरअंदाज नहीं कर सकती और वह संवेदनशील मामलों में थोड़ा रुख नरम कर रही है।

IPAC छापा मामला: ED ने सुप्रीम कोर्ट में बंगाल DGP निलंबन की मांग की

नई दिल्ली । कोलकाता में IPAC छापों से जुड़े मामले ने राजनीतिक और कानूनी दोनों ही मोर्चों पर तूल पकड़ लिया है। इस मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने नई याचिका दाखिल की है। इस याचिका में ED ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (DGP) राजीव कुमार को निलंबित करने की मांग की है। ED का आरोप है कि जांच के दौरान पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सही सहयोग नहीं कर रहे हैं और उनका आचरण अनुचित रहा है। ED ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी आग्रह किया है कि वह कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) और केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश दें कि वे पश्चिम बंगाल के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करें। एजेंसी का कहना है कि जांच में सहयोग न करना और गलत आचरण करना कानून के तहत गंभीर अपराध है और इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह मामला तब सामने आया जब ED ने 8 जनवरी को TMC के आईटी हेड और राजनीतिक कंसल्टेंट फर्म I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कार्यालय पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने कुछ फाइलें अपने साथ ले ली थीं। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद और बढ़ गया, क्योंकि विपक्ष ने इसे कानून को प्रभावित करने और जांच में बाधा डालने के प्रयास के रूप में देखा। IPAC एक प्रमुख राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म है, जो विभिन्न चुनाव अभियानों और डिजिटल रणनीतियों के लिए जानी जाती है। इसके डायरेक्टर प्रतीक जैन पर धनशोधन और अन्य वित्तीय अपराधों के आरोप लगाए जा रहे हैं। ED ने यह जांच शुरू की थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या TMC के चुनाव अभियान में किसी तरह की वित्तीय अनियमितता हुई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को यह देखना है कि क्या पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी ED की जांच में सहयोग कर रहे हैं या नहीं। ED का आरोप है कि कई वरिष्ठ अधिकारी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और उनके आचरण से जांच प्रभावित हो रही है। इसलिए एजेंसी ने कोर्ट से DGP राजीव कुमार को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। राजनीतिक दृष्टि से यह मामला बेहद संवेदनशील है। TMC और विपक्ष दोनों ही इस मामले को लेकर सख्त रुख अपना रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के छापेमारी स्थल पर पहुंचने और फाइलें ले जाने की घटना ने विवाद और बढ़ा दिया है।

अमेरिका 75 देशों के लिए वीजा सेवा रोकेगा, भारत के 6 पड़ोसी भी शामिल

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका आने वाले विदेशियों की संख्या कम करने के उद्देश्य से एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत अमेरिका 21 जनवरी से 75 देशों के लिए वीजा सेवा पूरी तरह रोक देगा। इस लिस्ट में पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित भारत के 6 पड़ोसी देश भी शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक मेमो के आधार पर लिया गया है। अमेरिका का मकसद उन विदेशियों को वीजा देने से रोकना है, जिनके बारे में आशंका है कि वे अमेरिका आने के बाद सरकारी मदद या वेलफेयर योजनाओं पर निर्भर हो सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अब वह अपनी कानूनी शक्ति का इस्तेमाल करेगा और ऐसे लोगों को वीजा देने से रोक सकेगा। इस फैसले के तहत अमेरिकी दूतावासों और कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे वीजा आवेदनों को तब तक खारिज करें, जब तक जांच और सत्यापन की प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा नहीं हो जाती। फिलहाल इस रोक की अवधि कितनी होगी, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम अमेरिका में आप्रवासियों की संख्या को नियंत्रित करने की दिशा में एक कड़ा कदम है। इसके चलते भारत समेत पड़ोसी देशों के छात्रों, कामगारों और व्यापारियों को अमेरिका जाने में मुश्किलें आ सकती हैं। अमेरिका में वीजा प्रक्रिया पूरी तरह से रोकने से दोनों देशों के बीच वीजा, शिक्षा और व्यापार से जुड़े संबंधों पर भी असर पड़ सकता है।

NASA का पहला मेडिकल इवैक्यूएशन:

-बीमार अंतरिक्ष यात्री के लिए क्रू-11 मिशन समय से पहले समाप्त

केप कैनावेरल (एजेंसी)। NASA ने इतिहास में पहली बार किसी मेडिकल इश्यू के चलते अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) से चार अंतरिक्ष यात्रियों को समय से पहले पृथ्वी पर वापस बुलाया है। इनमें से एक अंतरिक्ष यात्री को डॉक्टरों की देखभाल की जरूरत थी। यह निर्णय मिशन की सुरक्षा और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लिया गया। बुधवार को सभी चार अंतरिक्ष यात्री SpaceX के कैप्सूल में बैठकर ISS से रवाना हुए। इस टीम में अमेरिका के जेना कार्डमैन और माइक फिंके, जापान के किमिया यूई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव शामिल थे। ये सभी अगस्त 2025 में ISS पर भेजे गए थे और मूल योजना के अनुसार फरवरी 2026 के अंत तक वहीं रहने वाले थे। 7 जनवरी को NASA ने अचानक कार्डमैन और फिंके का नियोजित स्पेसवॉक रद्द कर दिया। इसके कुछ दिन बाद ही क्रू की जल्दी वापसी की घोषणा कर दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस मेडिकल इश्यू का स्पेसवॉक से कोई संबंध नहीं था, और प्राइवेसी के कारण उन्होंने किसी और विवरण को साझा नहीं किया। ISS के कमांडर माइक फिंके ने बताया कि बीमार अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय से पहले वापसी जरूरी थी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कौन सा अंतरिक्ष यात्री बीमार था। NASA के अनुसार, कैप्सूल 15 जनवरी को सुबह लगभग 3.41 बजे कैलिफोर्निया के तट पर सुरक्षित लैंड करेगा। इस मिशन की सफलता और समय पर सुरक्षित वापसी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा के महत्व को दर्शाती है।

भगवंत मान अकाल तख्त में पेश होने वाले चौथे मुख्यमंत्री:

-सिख मर्यादा, सियासत और सज़ाओं का इतिहास

जालंधर । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक अहम धार्मिक–राजनीतिक घटनाक्रम के तहत अमृतसर स्थित श्री अकाल तख्त साहिब में पेश होने वाले चौथे मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। अकाल तख्त, जो सिख पंथ की सर्वोच्च धार्मिक और नैतिक संस्था मानी जाती है, वहां किसी भी सियासी शख्सियत की पेशी अपने आप में गंभीर मायने रखती है। यह केवल जवाब-तलब नहीं, बल्कि सिख मर्यादा, गुरमत सिद्धांत और पंथक अनुशासन से जुड़ा मसला होता है। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक आपत्तिजनक वीडियो के संदर्भ में स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। आरोप है कि इस वीडियो में गुरुओं के "दसवंध" सिद्धांत और "गुरू की गोलक" से जुड़ी बातें ऐसी तरह से कही गईं, जो सिख मर्यादा के खिलाफ मानी गईं। सिख परंपरा में दसवंध केवल आर्थिक योगदान नहीं, बल्कि गुरू के प्रति आस्था, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। ऐसे में इस विषय पर किसी भी तरह की हल्की या अपमानजनक टिप्पणी पंथक भावनाओं को आहत कर सकती है।

भगवंत मान से पहले तीन मुख्यमंत्री भी अकाल तख्त में पेश हो चुके हैं। इनमें सबसे पहले नाम आता है भीमसेन सच्चर का, जो अविभाजित पंजाब के दूसरे मुख्यमंत्री थे। उस दौर में पंजाब का राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य अलग था, लेकिन फिर भी अकाल तख्त की सर्वोच्चता को स्वीकार करते हुए उन्होंने वहां पेश होना जरूरी समझा। यह दिखाता है कि सिख समाज में धार्मिक संस्थाओं का सम्मान सियासत से ऊपर माना जाता रहा है। दूसरे मुख्यमंत्री थे सुरजीत सिंह बरनाला, जिन्हें अकाल तख्त की ओर से अब तक की सबसे सख्त सजा दी गई। बरनाला पर पंथ-विरोधी फैसलों और सिख हितों की अनदेखी के आरोप लगे थे। अकाल तख्त ने उन्हें पंथ से निष्कासित करने का हुक्म सुनाया और प्रतीकात्मक तौर पर गले में तख्ती डालकर सार्वजनिक रूप से पेश होने को कहा गया। यह सजा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे सियासी वर्ग को यह संदेश देने के लिए थी कि पंथक मर्यादा से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह मुख्यमंत्री ही क्यों न हो। तीसरे मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल अकाल तख्त में पेश हुए। उनकी पेशी और सजा से ज्यादा विवाद बाद की घटनाओं को लेकर हुआ। अकाल तख्त की ओर से दी गई धार्मिक सजा पूरी करने के बाद उन्हें "फक्र-ए-कौम" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस फैसले ने सिख समाज के भीतर गहरी बहस और नाराज़गी को जन्म दिया। कई सिख संगठनों और बुद्धिजीवियों का मानना था कि जिस व्यक्ति को पंथक मामलों में दोषी ठहराया गया हो, उसे इस तरह के सर्वोच्च सम्मान से नवाजना अकाल तख्त के अपने फैसले की गंभीरता को कमजोर करता है। यह विवाद आज भी सिख राजनीति और धार्मिक फैसलों के संदर्भ में उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है। अब भगवंत मान की पेशी को इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। सवाल यह नहीं है कि वे मुख्यमंत्री हैं या आम सिख, बल्कि यह है कि अकाल तख्त के सामने जवाबदेही सभी पर समान रूप से लागू होती है या नहीं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रोज़गार की असमानता और मजबूरी का पलायन

देश में आंतरिक पलायन कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में मजदूरों का एक राज्य से दूसरे राज्य की ओर जाना तेज़ी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोर्ट इस सच्चाई को आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट बताती है कि बिहार और असम जैसे राज्यों में एक कामगार की औसत दिहाड़ी महाराष्ट्र की तुलना में लगभग आधी है। तुलना यहीं नहीं रुकती—चीन में मजदूरी भारत से चार गुना और बांग्लादेश में करीब डेढ़ गुनी है। साफ है कि मेहनत की कीमत हर जगह एक जैसी नहीं है और यही असमानता मजदूरों को पलायन के लिए मजबूर कर रही है। 2023 में देश में औसत दैनिक मजदूरी लगभग 190 रुपये रही। लेकिन यह औसत अपने आप में असमानता को छिपा लेता है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और गुजरात जैसे राज्यों में मजदूरी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, जबकि हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार और असम जैसे राज्यों में मजदूरी इससे कम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जहां उद्योग और सेवाक्षेत्र विकसित हैं, वहां श्रम की मांग अधिक है और मजदूरी भी बेहतर मिलती है। इसके उलट, जहां अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है या औद्योगिक विकास सीमित है, वहां मजदूरों को कम मेहनताना मिलता है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ज्यादा आबादी होने के कारण मजदूरी कम रहती है, लेकिन आंकड़े इस धारणा को पूरी तरह सही नहीं ठहराते। उत्तर भारत के कई राज्यों में आबादी घनत्व अधिक है, लेकिन असली समस्या मैन्युफैक्चरिंग और संगठित रोजगार के अवसरों की कमी है। जब किसी क्षेत्र में उद्योग नहीं होते, तो श्रम की आपूर्ति ज्यादा और मांग कम हो जाती है, नतीजतन मजदूरी गिरती है। ऐसे में मजदूर स्वाभाविक रूप से उन राज्यों का रुख करते हैं, जहां औद्योगिक इकाइयां, निर्माण कार्य, होटल, टूरिज्म, गिग वर्क और सेवा क्षेत्र में काम के बेहतर अवसर और ज्यादा पैसा मिलता है। कृषि आधारित राज्यों में एक और बड़ी समस्या है काम की मौसमी प्रकृति। खेती से जुड़ा काम पूरे साल नहीं मिलता। अनुमान है कि कृषि मजदूरों को साल के लगभग 40 प्रतिशत दिनों में काम की कमी झेलनी पड़ती है। यही वजह है कि मजदूर साल के बाकी समय रोज़गार की तलाश में दूसरे राज्यों में निकल जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में भी बिहार और पूर्वी भारत के मजदूर बड़ी संख्या में जाते हैं। इसका कारण वहां का बेहतर कृषि उत्पादन है। गेहूं और चावल का प्रति हेक्टेयर उत्पादन बिहार की तुलना में लगभग 70 प्रतिशत ज्यादा होने से खेती में भी मजदूरी अपेक्षाकृत अधिक मिलती है। इन सभी तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि पलायन किसी मजबूरी से कम नहीं है। अगर उत्तर भारत और पूर्वी भारत के गरीब राज्यों में मजदूरों को रोकना है, तो वहां स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे।

ईरान वेनेजुएला नहीं है: विरोध-प्रदर्शन, इस्लामिक रिपब्लिक की मजबूती और सत्ता परिवर्तन की अटकलों की असली हकीकत

-आर्थिक दबाव, पीढ़ीगत असंतोष और बाहरी दखल के बावजूद क्यों ईरान की व्यवस्था कायम है

ईरान की इस्लामिक हुकूमत एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। सड़कों पर उतरते विरोध-प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर वायरल होती तस्वीरें और पश्चिमी मीडिया में चल रही अटकलें—सब मिलकर यह सवाल खड़ा कर रहे हैं कि क्या ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक सचमुच किसी बड़े खतरे का सामना कर रही है? क्या वहां सत्ता परिवर्तन की जमीन तैयार हो चुकी है? या फिर यह वही चक्र है, जो बीते चार दशकों में बार-बार दोहराया जाता रहा है? ईरान की मौजूदा उथल पुथल को समझने के लिए जरूरी है कि हम उसे किसी एक घटना या किसी एक प्रदर्शन तक सीमित न रखें। यह संकट, अगर इसे संकट कहा जाए, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और पीढ़ीगत बदलावों की कई परतों से मिलकर बना है। इसके बावजूद, यह भी उतना ही सच है कि ईरान वेनेजुएला नहीं है, और न ही वहां की सत्ता-व्यवस्था इतनी कमजोर है कि किसी बाहरी दबाव या अचानक भड़के आंदोलनों से ढह जाए।

1979 की इस्लामिक क्रांति: सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, एक पूरी व्यवस्था

ईरान की राजनीति को समझने की कुंजी 1979 की इस्लामिक क्रांति में छिपी है। यह क्रांति सिर्फ शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी की सत्ता को उखाड़ फेंकने तक सीमित नहीं थी। इसने एक बिल्कुल नई राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था को जन्म दिया। इस व्यवस्था में मज़हब, विचारधारा, राजनीति और सुरक्षा तंत्र को इस तरह आपस में पिरोया गया कि वे एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। इस्लामिक रिपब्लिक का ढांचा केवल संविधान या चुनावी संस्थाओं पर टिका नहीं है। इसके केंद्र में 'विलायत-ए-फ़क़ीह' की अवधारणा है, यानी धर्मगुरु की सर्वोच्च निगरानी और मार्गदर्शन। सर्वोच्च नेता (रहबर) न सिर्फ धार्मिक बल्कि रणनीतिक और राजनीतिक सत्ता का भी केंद्र होता है। संसद, राष्ट्रपति और न्यायपालिका—सब इसी ढांचे के भीतर काम करते हैं। यही वजह है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन की कल्पना करना आसान नहीं है। यहां सरकार बदलना और व्यवस्था बदलना—दो अलग-अलग चीजें हैं। चुनावों में चेहरे बदल सकते हैं, लेकिन इस्लामिक रिपब्लिक की बुनियादी संरचना जस की तस बनी रहती है।

आईआरजीसी: क्रांति की ढाल, व्यवस्था की रीढ़

ईरान की सत्ता-व्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ है इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, यानी आईआरजीसी। अक्सर इसे सिर्फ एक सैन्य बल के रूप में देखा जाता है, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा जटिल है। आईआरजीसी पारंपरिक सेना नहीं है। इसका जन्म ही इस्लामिक क्रांति की रक्षा के लिए हुआ था। आईआरजीसी की भूमिका बहुआयामी है—यह सैन्य सुरक्षा देता है, आंतरिक स्थिरता बनाए रखता है, खुफिया गतिविधियों में सक्रिय है और अर्थव्यवस्था के कई अहम क्षेत्रों में इसकी गहरी पैठ है। ऊर्जा, निर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर और यहां तक कि मीडिया के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र और तुर्किए जैसे देशों में सेनाओं ने खुद को 'राज्य का रक्षक' बताया, न कि किसी खास सत्ता समूह का। लेकिन ईरान में सुरक्षा तंत्र खुद सत्ता संरचना का हिस्सा है। यहां आईआरजीसी और इस्लामिक रिपब्लिक को अलग-अलग देखना संभव ही नहीं है। यही कारण है कि किसी भी बड़े आंदोलन के दौरान इसके तटस्थ रहने की संभावना लगभग शून्य होती है।

विरोध-प्रदर्शन: बार-बार उभरती असंतोष की लहर

यह कहना गलत होगा कि ईरान में सब कुछ शांत और स्थिर है। बीते डेढ़ दशक में देश ने कई बड़े विरोध-प्रदर्शन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017 18 और 2019 के आर्थिक विरोध, और 2022 में भड़की व्यापक सामाजिक अशांति—ये सभी इस बात के संकेत हैं कि ईरानी समाज के भीतर गहरी बेचैनी मौजूद है। इन आंदोलनों की प्रकृति अलग अलग रही है। कभी चुनावी पारदर्शिता सवालों में रही, कभी पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से गुस्सा फूटा, तो कभी सामाजिक पाबंदियों और महिलाओं के अधिकारों को लेकर आक्रोश सामने आया। लेकिन इन सबमें एक समानता है—ये आंदोलन अचानक भड़कते हैं, तेजी से फैलते हैं, और फिर धीरे धीरे दम तोड़ देते हैं। इसका एक बड़ा कारण है नेतृत्व की कमी। ईरान में ऐसा कोई एकीकृत, विश्वसनीय और अंदरूनी राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं है, जो इन विरोधों को लंबी राजनीतिक दिशा दे सके। ज्यादातर विपक्षी चेहरे देश से बाहर हैं। आम ईरानी नागरिकों के बीच उनकी जड़ें कमजोर हैं।

पीढ़ीगत बदलाव: नई सोच, नई उम्मीदें

आज के विरोध-प्रदर्शनों की अगुवाई करने वाला तबका वह है, जिसका 1979 की क्रांति से कोई भावनात्मक रिश्ता नहीं है। यह नई पीढ़ी डिजिटल दुनिया में पली-बढ़ी है। सोशल मीडिया, वैश्विक संस्कृति और बाहरी दुनिया से जुड़ाव ने उसकी अपेक्षाएं बढ़ा दी हैं। इस पीढ़ी के लिए क्रांति की कहानियां इतिहास की किताबों तक सीमित हैं। उनकी प्राथमिकताएं रोज़गार, आज़ादी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बेहतर जीवन स्तर हैं। वे यह सवाल पूछते हैं कि दशकों से चले आ रहे प्रतिबंधों और टकरावों का बोझ उन्हें क्यों उठाना पड़े? यही पीढ़ीगत टकराव ईरान की राजनीति में सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह चुनौती व्यवस्था को गिराने से ज्यादा, उसे धीरे धीरे दबाव में लाने का काम कर रही है।

प्रतिबंधों की मार: अर्थव्यवस्था और आम जनता

ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। तेल निर्यात पर रोक, बैंकिंग सिस्टम से कटाव और विदेशी निवेश की कमी ने विकास की रफ्तार थाम दी है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ा है। महंगाई, बेरोज़गारी और मुद्रा अवमूल्यन ने खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवाओं को निराश किया है। बहुत से पढ़े लिखे युवा देश में अपना भविष्य उजला नहीं देखते। यही हताशा विरोध का रूप ले लेती है। अब स्थिति यह है कि अमेरिका और इजराइल के साथ लगातार टकराव को भी समाज का एक हिस्सा 'रणनीतिक गर्व' की बजाय 'सामाजिक बोझ' की तरह देखने लगा है।

बाहरी हस्तक्षेप और 'विदेशी साजिश' का नैरेटिव

जब भी ईरान में विरोध तेज होता है, पश्चिमी देशों में सत्ता परिवर्तन की उम्मीदें जाग उठती हैं। वेनेजुएला का उदाहरण अक्सर दिया जाता है। लेकिन ईरान और वेनेजुएला की तुलना सतही है। ईरान एक बड़ा, संगठित और क्षेत्रीय संतुलनों से गहराई से जुड़ा देश है। वहां किसी भी तरह की बाहरी सैन्य या राजनीतिक दखल पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकती है। यही वजह है कि बाहरी ताकतों के इरादों और उनकी वास्तविक क्षमताओं के बीच बड़ा फासला है। इतिहास गवाह है कि विदेश प्रायोजित दखल ने ईरान में हमेशा 'विदेशी साजिश' के कथानक को ही मजबूत किया है। इससे राष्ट्रवाद और व्यवस्था के प्रति समर्थन और बढ़ता है।

चीन और रूस का कारक

आज की वैश्विक राजनीति में ईरान अकेला नहीं है। चीन और रूस जैसे देश एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते। ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय संतुलन और अमेरिका के प्रभाव को सीमित करने के लिए ईरान उनकी रणनीति का अहम हिस्सा है। इन देशों का समर्थन, चाहे खुला हो या परोक्ष, इस्लामिक रिपब्लिक को एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच देता है। यह कारक भी किसी त्वरित सत्ता परिवर्तन की संभावनाओं को कमजोर करता है।

ईरान की इस्लामिक हुकूमत पर दबाव जरूर है—आर्थिक, सामाजिक और पीढ़ीगत। विरोध-प्रदर्शन इस दबाव की अभिव्यक्ति हैं। लेकिन दबाव और पतन के बीच बड़ा फर्क होता है। अब तक के अनुभव बताते हैं कि जब तक सुरक्षा तंत्र एकजुट है, वैकल्पिक नेतृत्व कमजोर है और बाहरी हस्तक्षेप राष्ट्रवाद को और मजबूत करता है—तब तक इस्लामिक रिपब्लिक का ढांचा कायम रहता है।

आधार कार्ड के डेमोग्राफिक डेटा की खामियां: नाम, पहचान और अधिकार के लिए भटकते आम नागरिकों की पीड़ा

-गलत नाम, ई-केवाईसी विफलता और जवाबदेही के अभाव ने आधार को आम आदमी की मुश्किल बना दिया

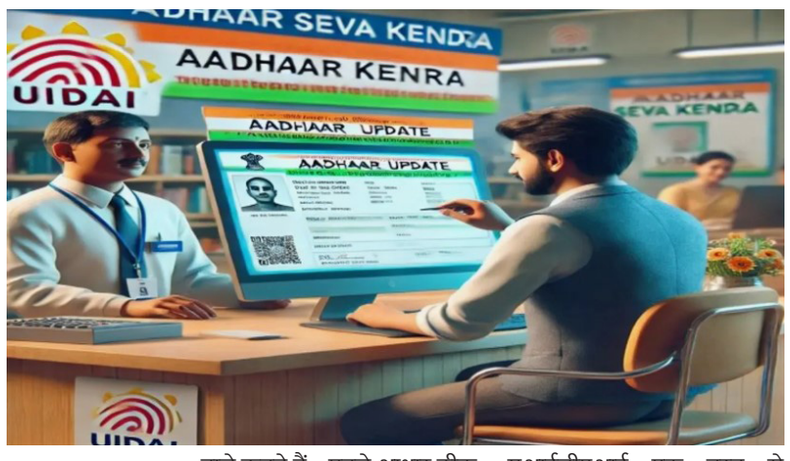

भारत में आधार कार्ड को पहचान का सबसे बड़ा और सार्वभौमिक दस्तावेज़ माना जाता है। सरकार की लगभग हर योजना, बैंकिंग व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, सब्सिडी और अब तो बच्चों की 'अपार आईडी' तक आधार से जुड़ चुकी है। लेकिन जिस आधार पर यह पूरी व्यवस्था खड़ी है, उसी आधार के डेमोग्राफिक डेटाबेस (नाम, जन्मतिथि, पता, लिंग आदि) की भरोसेमंदता पर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं। झारखंड के लातेहार जिले की 16 साल की कंदनी कुमारी की कहानी कोई अपवाद नहीं है, बल्कि आज लाखों भारतीयों की सच्चाई है। स्कूल के रजिस्टर और सर्टिफिकेट में उसका नाम कंदनी कुमारी दर्ज है, लेकिन आधार कार्ड में वह "कुमारी कांतनी किरण" बन गई। चार बार सुधार का आवेदन, चार बार रिजेक्शन। नतीजा—उसकी पढ़ाई, बैंकिंग और पहचान, सब अधर में लटकी हुई।

विसंगतियों की जड़ में क्या है समस्या?

आधार डेटाबेस में दो तरह की सूचनाएं होती हैं— बायोमैट्रिक डेटा: उंगलियों के निशान, आंखों की पुतलियों का स्कैन डेमोग्राफिक डेटा: नाम, जन्मतिथि, पता, लिंग आदि, यूआईडीएआई (UIDAI) ने शुरुआत में आधार को मुख्यतः बायोमैट्रिक पहचान के औज़ार के रूप में पेश किया था। उद्देश्य यह था कि कोई व्यक्ति फर्जी तरीके से पहचान न बदल सके। उस समय नाम, जन्मतिथि या पते की सटीकता को उतना अहम नहीं माना गया। शुरुआती वर्षों में आधार नामांकन कैंपों में भारी भीड़ होती थी। ऑपरेटरों पर जल्दी-जल्दी डेटा दर्ज करने का दबाव रहता था। नतीजतन—नाम की वर्तनी गलत दर्ज हुई, जन्मतिथियां अनुमान से भर दी गईं, स्थानीय उच्चारण को अंग्रेज़ी या हिंदी में ठीक से नहीं लिखा गया, कई आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में नामों के अलग-अलग रूप दर्ज हो गए, जैसे आदिवासी समाज में सरिता उरांव को सरिता देवी या सरिता ओराइन भी कहा जा सकता है। आधार में कौन-सा नाम दर्ज हुआ, यह अक्सर ऑपरेटर की समझ पर निर्भर था।

जब आधार सिर्फ पहचान नहीं, मास्टर-की बन गया

समस्या तब और गहरी हो गई जब आधार को ई-केवाईसी (e-KYC) का आधार बना दिया गया। बैंक, मोबाइल सिम, पेंशन, बीमा, छात्रवृत्ति—हर जगह आधार से डेमोग्राफिक डेटा खींचा जाने लगा। ई-केवाईसी की प्रक्रिया सरल दिखती है— आधार नंबर डालिए, बायोमैट्रिक या ओटीपी से सत्यापन कीजिए, आधार डेटाबेस से नाम और अन्य विवरण स्वतः आ जाते हैं लेकिन यहीं से गड़बड़ी शुरू होती है। अगर बैंक रिकॉर्ड में नाम "कंदनी कुमारी" है और आधार में "कुमारी कांतनी किरण", तो सिस्टम इसे असंगति मानता है। नतीजा— केवाईसी फेल, बैंक अकाउंट फ्रीज़, लेन-देन पर रोक, गरीब, कम पढ़े-लिखे और दूर-दराज़ के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह स्थिति किसी सज़ा से कम नहीं।

सुधार की प्रक्रिया: कागज़ों का जंगल

सैद्धांतिक रूप से आधार में सुधार आसान बताया जाता है, लेकिन व्यवहार में यह बेहद जटिल है। नाम सुधार के लिए स्कूल सर्टिफिकेट चाहिए, जन्मतिथि सुधार के लिए अलग दस्तावेज़, पता बदलने के लिए अलग प्रक्रिया, कई बार यूआईडीएआई का सिस्टम दस्तावेज़ स्वीकार ही नहीं करता। आवेदन "डॉक्यूमेंट मिसमैच" या "वेरिफिकेशन फेल" कहकर रिजेक्ट हो जाता है। बैंक वाले कहते हैं—पहले आधार ठीक कराइए। आधार केंद्र वाले कहते हैं—पहले बैंक या स्कूल रिकॉर्ड बदलवाइए। इस चक्कर में आम आदमी महीनों, कभी-कभी सालों तक भटकता रहता है।

बच्चों और छात्रों पर बढ़ता असर

नई शिक्षा व्यवस्था में बच्चों की 'अपार आईडी' को अनिवार्य बनाया जा रहा है। लेकिन यह आईडी तब तक नहीं बनती, जब तक स्कूल रिकॉर्ड और आधार का नाम एक जैसा न हो। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और गंभीर है। स्कूल में नाम स्थानीय भाषा या उच्चारण के अनुसार लिखा गया, आधार में अंग्रेज़ी/हिंदी में कुछ और नतीजा—बच्चा न पूरी तरह स्कूल सिस्टम में शामिल हो पा रहा है, न डिजिटल पहचान पा रहा है। बैंकिंग सिस्टम पर बोझ ई-केवाईसी आधारित बैंकिंग ने लाखों खातों को "डॉर्मेंट" या "फ्रीज़" कर दिया। मजदूरी के पैसे अटक गए, पेंशन नहीं मिली, सरकारी सहायता रुकी, यह सब सिर्फ इसलिए क्योंकि नाम या जन्मतिथि में एक अक्षर का फर्क था।

जवाबदेही किसकी?

आधार डेटाबेस का निर्माता और संरक्षक यूआईडीएआई है। अगर उसका डेमोग्राफिक डेटा भरोसेमंद नहीं है, तो इसकी जिम्मेदारी भी उसी की बनती है। लेकिन समस्या यह है कि— आधार एक्ट से संसदीय निगरानी का प्रावधान हटा दिया गया, यूआईडीएआई एक तरह से स्वायत्त संस्था बन गई, नागरिकों के पास अपील का प्रभावी मंच नहीं है जब किसी का आवेदन बार-बार रिजेक्ट होता है, तो वह किसके पास जाए?

तकनीक बनाम हकीकत

आधार को अक्सर "टेक्नोलॉजी की जीत" बताया जाता है। लेकिन तकनीक तब तक कारगर नहीं होती, जब तक वह ज़मीनी हकीकत को समझे। भारत जैसे देश में— कई लोगों की जन्मतिथि दर्ज ही नहीं होती, नाम समय के साथ बदलते रहते हैं, एक ही व्यक्ति के अलग-अलग दस्तावेज़ों में अलग नाम होना आम बात है, ऐसे समाज में एक सख्त, अकठोर डिजिटल सिस्टम लोगों को सुविधा देने के बजाय उन्हें हाशिये पर धकेल देता है।

समाधान क्या हो सकता है?

डेमोग्राफिक डेटा को द्वितीयक माना जाए आधार का मूल उद्देश्य बायोमैट्रिक पहचान है। नाम और जन्मतिथि को अंतिम सत्य मानना बंद किया जाए। सुधार प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, एक बार में सुधार, स्थानीय स्तर पर अपील की व्यवस्था, रिजेक्शन का स्पष्ट कारण, अगर बायोमैट्रिक सत्यापन सही है, तो नाम की मामूली वर्तनी पर खाता फ्रीज़ न किया जाए। यूआईडीएआई पर संसदीय निगरानी बहाल हो, ताकि नागरिकों की शिकायतें केवल तकनीकी नहीं, नीतिगत स्तर पर भी सुनी जा सकें।

सुर्खियों से आगे 2025 के हादसे 2026 की शपथ और यह सवाल कि हमारे कर्म कब सत्कर्म बनेंगे

-हादसों के साए में बीता साल नई जिम्मेदारी और इंसानियत की सख्त जरूरत का संदेश

नए साल के आग़ाज़ पर इंसान अक्सर ठहर कर पीछे मुड़कर देखता है। बीता हुआ समय एक आईने की तरह सामने आ खड़ा होता है—उसकी चमक भी दिखती है और उसकी दरारें भी। 2025 विदा हो चुका है और 2026 ने दस्तक दी है। नए साल के साथ नई उम्मीदें आती हैं, नई शपथें ली जाती हैं, और दिल से एक ही दुआ निकलती है—हमारे सभी कर्म सत्कर्म हों। ईश्वर की कृपा बनी रहे और जो दर्द, जो हादसे, जो ज़ख़्म पिछले साल ने दिए, वे दोहराए न जाएँ। समय न किसी के लिए रुकता है, न किसी के लिए तेज़ चलता है। उसकी अपनी चाल है—सदियों से, युगों-युगों से। न वह थकता है, न कभी बैठता है। लेकिन 2025 नाम के जिस हिस्से से हम गुज़रे, उस पर हादसों, दुर्घटनाओं और लापरवाहियों के इतने गहरे घाव हैं कि लगता है जैसे समय भी थक गया हो। मानो उसकी कनपटियों के नीचे सफ़ेदी उतर आई हो। यह सफ़ेदी उम्र की नहीं, इंसानी भूलों की है—ऐसी भूलें, जिनकी क़ीमत बेगुनाहों ने अपनी जान देकर चुकाई।

भीड़, आस्था और प्रशासन की नाकामी

महाकुंभ का आयोजन भारतीय आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक माना जाता है। करोड़ों श्रद्धालु जीवन में एक बार पवित्र डुबकी की चाह लेकर प्रयागराज पहुँचते हैं। लेकिन 29 जनवरी 2025 की वह रात आस्था के इतिहास में एक काले अध्याय की तरह दर्ज हो गई। प्रयागराज में भीड़ इतनी बेकाबू थी कि गंगा का विस्तार भी छोटा लगने लगा। सबसे पहले स्नान करने की होड़ ने इंसानियत को कुचल दिया। भगदड़ मची, चीख़ें उठीं, और देखते ही देखते बच्चे, महिलाएँ, बूढ़े—सब उस अफ़रा-तफ़री की भेंट चढ़ गए। सरकारी आँकड़ों में 37 मौतें दर्ज की गईं, लेकिन सच्चाई शायद इससे कहीं ज़्यादा भयावह थी। कई लोग ऐसे थे, जिनका कोई अता-पता नहीं चला। महीनों तक माँ-बाप, भाई-बहन, बेटे-बेटियाँ अपनों को ढूँढते रहे, लेकिन हाथ निराशा ही लगी। किसी को नहीं पता वे कहाँ गए—क्या रेत में दब गए, क्या गंगा मैया में समा गए? न समाज जानता है, न प्रशासन, और सरकार तो शायद जानना भी नहीं चाहती। इसी लापरवाही की गूँज कुछ हफ्तों बाद दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुनाई दी। 15 फ़रवरी को कुंभ से लौट रहे यात्रियों की भीड़ को सँभालने में प्रशासन पूरी तरह नाकाम रहा। प्लेटफ़ॉर्मों पर अफ़रा-तफ़री मची, भगदड़ हुई और 18 ज़िंदगियाँ बेवजह चली गईं। सवाल वही—भीड़ प्रबंधन क्यों नहीं? पहले से अनुमान क्यों नहीं? और अगर अनुमान था तो इंतज़ाम कहाँ थे?

तकनीक के दौर में भी असुरक्षा

2025 की दूसरी बड़ी त्रासदी थी अहमदाबाद विमान हादसा। अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की ड्रीमलाइनर उड़ान टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय भाई रूपाणी सहित लगभग 260 लोग काल-कवलित हो गए। आधुनिक तकनीक, कड़े सुरक्षा मानक और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दावे—सब इस एक हादसे के सामने बौने पड़ गए। जाँच जारी है, कारणों पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, लेकिन आम आदमी के लिए सवाल सीधा है—क्या हमारी व्यवस्थाएँ सच में सुरक्षित हैं? क्या जाँच रिपोर्टें सिर्फ़ काग़ज़ी कार्रवाई बनकर रह जाएँगी? और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस क़दम उठाए जाएँगे?

जश्न में बदली मातम

भारत में क्रिकेट महज़ खेल नहीं, जुनून है। आईपीएल ने इस जुनून को त्योहार में बदल दिया है। 4 जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली जीत ने शहर को उत्साह से भर दिया। लेकिन जीत का यह जश्न भी प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गया। जश्न के नाम पर कोई पुख़्ता इंतज़ाम नहीं किए गए। भीड़ उमड़ पड़ी, हालात बेकाबू हो गए और एक-दूसरे को कुचलते हुए 11 लोग अपनी जान गँवा बैठे। यह घटना बताती है कि हमारे यहाँ ख़ुशी मनाने की संस्कृति भी असुरक्षित हो गई है। चाहे धार्मिक आयोजन हो, राजनीतिक रैली हो या खेल का जश्न—भीड़ को सँभालने की समझ और संवेदनशीलता दोनों का अभाव साफ़ दिखता है। सवाल उठते हैं, बहस होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद सब कुछ भुला दिया जाता है।

प्रकृति का बदला और इंसानी ज़िद

उत्तराखंड में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएँ अब अपवाद नहीं रहीं। ये घटनाएँ हर साल चेतावनी देती हैं, लेकिन इंसान सुनना नहीं चाहता। पहाड़ों को बेरहमी से खोदा गया, नदियों को संकरा किया गया, उनके प्राकृतिक रास्तों पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नतीजा वही निकला, जिसका अंदेशा था। कभी बादलों से बरसी आफ़त पूरी की पूरी बस्ती बहा ले गई, तो कभी बाढ़ और मलबे ने सपनों के घर उजाड़ दिए। 5 अगस्त 2025 को चमोली और पिथौरागढ़ में बाढ़ और भूस्खलन ने 25 लोगों की जान ले ली। सरकारें कुतर्क गढ़ती रहीं, नेता बयानबाज़ी करते रहे, और ज़मीन पर हालात जस के तस रहे। न कोई दीर्घकालिक योजना, न पर्यावरण के प्रति ईमानदार सोच।

मज़दूरों की ज़िंदगी और औद्योगिक सुरक्षा

1 अप्रैल 2025 को गुजरात के डीसा में एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ। 21 मज़दूरों की मौत ने औद्योगिक सुरक्षा पर फिर से सवाल खड़े कर दिए। हर बार की तरह इस बार भी हादसे के बाद जाँच के आदेश हुए, मुआवज़े की घोषणाएँ की गईं और श्रम क़ानूनों को सख़्त करने की बातें हुईं। लेकिन कुछ समय बाद सब ठंडे बस्ते में चला गया। देश की अर्थव्यवस्था मज़दूरों के कंधों पर टिकी है, लेकिन उनकी सुरक्षा हमेशा आख़िरी पायदान पर रहती है। फैक्टरियों में नियमों की अनदेखी, निरीक्षण में ढिलाई और मुनाफ़े की अंधी दौड़—इन सबका ख़ामियाज़ा वही मज़दूर भुगतता है, जिसकी आवाज़ अक्सर अनसुनी रह जाती है।

क्या हमने कुछ सीखा?

इन तमाम घटनाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या हमने कुछ सीखा? हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त की जाती है, मोमबत्तियाँ जलाई जाती हैं, सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ आ जाती है।

लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त में बदलाव कहाँ है? क्या प्रशासन ज़िम्मेदारी तय करता है? क्या दोषियों पर सख़्त कार्रवाई होती है? या फिर समय के साथ सब कुछ भुला दिया जाता है? समय का पहिया आगे बढ़ जाता है, लेकिन जिन घरों के चिराग़ बुझ गए, उनके लिए समय वहीं ठहर जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

-मुख्यमंत्री ने कहा- राम हमारे रोम रोम में बसते हैं
-जगद्गुरु ने रामायण और हिंदी साहित्य की सेवा का अद्भुत कार्य किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को नींदड़ में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के जन्मदिवस कार्यक्रम में सपत्नीक शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। जयपुर में श्रीराम कथा का आयोजन हम सबके जीवन का पुनीत संयोग है। इससे राम नाम की महक चारों ओर फैली हुई है तथा हनुमान चालीसा के पवित्र स्वर और वेद मंत्रों की गूंज हर जगह सुनाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु इस युग के महान विद्वान, तपस्वी और रामभक्त हैं।

जगद्गुरु ने देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया—

शर्मा ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज ने तप से देश-दुनिया में हमारी संस्कृति को मजबूत बनाया है और ज्ञान की ज्योति जलाई है। उन्होंने भगवान श्रीराम के नाम को हर घर, गांव और शहर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। चित्रकूट की पावन भूमि से लेकर देश-दुनिया तक जगद्गुरु श्रीराम कथा के माध्यम से राम नाम की अमृत वर्षा करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगद्गुरु ने तुलसी पीठ की स्थापना कर रामायण और हिंदी साहित्य की सेवा का अद्भुत कार्य किया है। प्रभु श्रीराम मर्यादा, सत्य और धर्म के साक्षात स्वरूप हैं तथा भगवान राम का चरित्र मानवता के लिए सर्वोच्च आदर्श है। शर्मा ने कार्यक्रम में रामानंद मिशन की ओर से दिव्यांग छात्र-छात्राओं को सहायक उपकरण वितरित किए। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए युवाओं को हेलमेट सौंपे और स्वच्छताकर्मियों का सम्मान भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने साध्वी ऋतंभरा का श्रीफल व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित बड़ी संख्या में साधु-संत एवं आमजन उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्थिति में पतंग उत्सव के दूसरे चरण में हुई भव्य आतिशबाजी और आसमान में जगमगाई उड़ती हुई लालटेन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा जयपुर जिला प्रशासन, जयपुर नगर निगम एवं पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के सहयोग से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और पर्यटन पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और सशक्त करने वाले भव्य काईट फेस्टिवल के दूसरा चरण बुधवार को हवामहल के सामने आयोजित हुआ।

हवामहल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में भव्य आतिशबाज़ी—

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी की गरिमा मयी उपस्थिति में पतंग उत्सव के दूसरे चरण में हुई भव्य आतिशबाजी से गुलाबी नगर का परकोटा आतिशबाजी की रंगीन रोशनी में नहाया। आसमान में जगमगाती रौशनी ने चमकदार रंग भर दिए। आसमानी फूलझड़ियों, रॉकेट, पटाखों के सुरीले धमाकों और गड़गड़ाहट से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा। यहां हजारों की संख्या में मौजूद दर्शक टकटकी लगाए आसमान में खिलखिलाते हुए सितारों को निहारत रहे। जोश, उमंग, उत्साह से अद्त समा बंध गया। आतिशि सितारों से चमचमाता ऐसा नजारा शायद ही पहले कभी इस क्षेत्र में नज़र आया हो। दिनभर के सांस्कृतिक और पारंपरिक उत्सव के बाद शाम 6.30 बजे से पतंग उत्सव के दूसरे चरण में लालटेन उड़ाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुलाबी शहर के आसमान में रोशनी और रंगों से सजी आतिशबाज़ी ने इस काईट फेस्टिवल का यादगार समापन किया।

राजस्थान केवल देखने की जगह नहीं, बल्कि एक अद्वितीय अनुभव—

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पतंग उत्सव के द्वितीय चरण के भव्य आतिशी समापन के अवसर पर कहा कि यह तो अभी शुरुआत है जयपुर और राजस्थान आगे भी ऐसे शानदार संस्कृति से पूर्ण और भव्य अवसरों का साक्षी बनेगा। उन्होंने कहा कि काईट फेस्टिवल ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि राजस्थान केवल देखने की जगह नहीं, बल्कि दिन से रात तक जीने और महसूस करने वाला एक अद्त अनुभव है। जहां दिन में आसमान पतंगों से संवाद करता है और रात में ऐतिहासिक धरोहरें आतिशी रौशनी में नहाकर उत्सव की साक्षी बनती हैं। उल्लेखनीय है कि काईट फेस्टिवल वर्षों से शहरवासियों, देशी पर्यटकों और विदेशी सैलानियों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक इस उत्सव के माध्यम से राजस्थान की जीवंत संस्कृति, लोक कला और आतिथ्य परंपरा का अनुभव करते हैं।

जोधपुर जिले की पंचायत समिति लूणी में साधारण सभा की बैठक हुई आयोजित

-कुशल नेतृत्व की बदौलत राजस्थान देश के बेस्ट परफॉर्मर स्टेट की श्रेणी में पहुँचा– संसदीय कार्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर जिले की पंचायत समिति लूणी की साधारण सभा की बैठक बुधवार को पंचायत समिति सभागार में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के उत्थान और प्रत्येक क्षेत्र के समुचित विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार के दो वर्ष कार्यकाल में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पूर्ण पारदर्शिता से उत्कृष्ट प्रशासन की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कुशल नेतृत्व की बदौलत आज राजस्थान देश के बेस्ट परफॉर्मर स्टेट की श्रेणी में पहुँच गया है। उन्होंने कहा राजस्थान 11 राष्ट्रीय योजनाओं में प्रथम, 5 योजनाओं में द्वितीय और 9 योजनाओं में तृतीय स्थान पर है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना—

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के तहत दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को 50 लाख रूपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक 5 हजार रूपये प्रतिमाह सहायता राशि दी जा रही हैं। पटेल ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को परंपरागत रास्ते जो राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है उनका सर्वे कर रास्ता खोलो अभियान के तहत राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने रास्तों पर अतिक्रमण का चिन्हीकरण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी काश्तकारों की एग्रीस्टैक फॉर्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने के निर्देश दिए। पटेल ने राजस्व विभाग और जेडीए के अधिकारियों को खाराबेरा पुरोहितान, बड़ली और मोडी जोशियान में जीएसएस निर्माण के लिए भूमि आवंटन करने के निर्देश दिए। उन्होंने डिस्कॉम के अधिकारियों को भाचरणा में खेल मैदान के ऊपर से गुजरने वाली विद्त लाइन को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा वर्तमान सरपंचों का कार्यकाल पूर्ण हो गया है और आपके कार्यकाल में शेष रहे कार्यों को पूर्ण कर समयबद्ध समायोजन करवाएं। उन्होंने कहा अपनी ग्राम पंचायत में सघन सफाई अभियान चलाकर पंचायत भवन एवं पंचायत परिसर की सफाई सुनिश्चित करें। बैठक में गत साधारण सभा की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। साथ ही पंचायत समिति लूणी की मनरेगा कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के तहत अनुमानित लागत 29 करोड़ 98 लाख रूपये के 1779 कार्यों का अनुमोदन किया गया।

मकर संक्रांति पर विधानसभा अध्यक्ष ने दी सौगात- अजमेर की सुरक्षा में नया मील का पत्थर

-3.35 करोड़ लागत से बनेगा हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना भवन
-घुसपैठियों, अतिक्रमण, अवैध क जों और अपराधियों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर शहर की सुरक्षा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को मकर संक्रांति पर्व पर नये हरिभाऊ उपाध्याय नगर पुलिस थाने का भवन की नींव रखी। इस पर 3.35 करोड़ रूपए की लागत आएगी। पुलिस थाने में पहले ही पूरे स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है। यह पुलिस थाना हरिभाऊ उपाध्याय नगर सहित आसपास की करीब एक लाख आबादी को सुरक्षा प्रदान करेगा। वासुदेव देवनानी ने बुधवार को मकर संक्रांति पर्व पर नव भवन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने के लिए 3.35 करोड़ की स्वीकृति जारी गई थी। जल्द ही थाना भवन बन कर तैयार हो जाएगा। अजमेर शहर में विगत 25 सालों में कोई नया थाना नही खुला था। क्रिश्चयनगंज थाने के क्षेत्राधिकार बहुत बड़ा होने के कारण पुलिस काफी वर्क लोड में काम कर रही थी। हमने राज्य सरकार के गठन के साथ ही इस दिशा में काम करना शुरू किया और पहले ही बजट में इस थाने के गठन को मंजूरी दिलाई। नया थाना

कोटड़ा, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, बीके कौल नगर रातीडांग और आसपास के क्षेत्र की कॉलोनियों में सुरक्षा प्रदान करेगा। करीब एक लाख आबादी को इस थाने से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में एक आदेश जारी कर अजमेर में नवसृजित हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने के लिए नफरी और संसाधनों की स्वीकृति भी जारी कर दी थी। थाने में पुलिस निरीक्षक सहित कई पदों व संसाधनों की स्वीकृति दी गई है। राज्य सरकार ने बजट घोषणा में हरिभाऊ उपाध्याय नगर चौकी को क्रमोन्नत कर थाना बनाए जाने की घोषणा की थी। राज्य सरकार की स्वीकृति के अनुसार हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने में पुलिस निरीक्षक का एक पद, उप निरीक्षक के 4 पद, सहायक उप निरीक्षक के 5 पद, हैड कांस्टेबल के 7 पद, कांस्टेबल के 35 पद, स्वीकृत किए गए है। थाने में जीप, इंटरनेट, फर्नीचर, वायरलैस हैण्डसेट, मोटर साइकिल आदि के लिए भी 28.64 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने कहा कि अजमेर बड़ा रूप ले रहा है। खेल, तकनीकी, रोजगार, पर्यटन, विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में सैकड़ों करोड़ रुपए की स्वीकृतियां जारी की गई है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहें।

रॉयल पत्रिका के संवाददाता जाफर लोहानी सहित कई पत्रकार सम्मानित हुए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सा मंच बीईसीएम जयपुर, राजस्थान द्वारा दिनांक 15 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे मीडिया जगत के साथियो को सम्मानित किया गया । विगत 13 जनवरी 2026, मंगलवार को कोर ग्रुप की मीटिंग आयोजित की गई, इसमें डॉक्टर शब्बीर खान (प्रदेश अध्यक्ष), वैद्य हितेष दीक्षित (संस्थापक एवम सचिव), डॉ. राकेश राव (संरक्षक), डॉ. पी एन व्यास (संरक्षक), डॉक्टर सुनील कुमार यादव (संरक्षक), डॉ. सुनील दत्त (उपाध्यक्ष), डॉ. हंसराज गुर्जर (उपाध्यक्ष), डॉक्टर विनोद कुमार पांडे (उपाध्यक्ष), डॉ राजेश कुमावत (वित्तमंत्री), डॉ. रविंद्र शर्मा, डॉक्टर चंद्रा मिश्रा (जयपुर जिलाध्यक्ष) आदि ने भाग लिया तथा टीम बीईसीएम ने समाज की सेवा कर रहे हैं उन पत्रकारों को सम्मानित करने का निर्णय लिया, जिसमें राजस्थान धरा न्यूज के संवाददाता अकरम खान,न्यूज़ 24/7 के संवाददाता शकील खान, तकी टाइम्स के संवाददाता मोहम्मद सव्वाम तकी एवं रॉयल पत्रिका समाचार के संवाददाता जाफर लोहानी

का नाम चुना गया । भारतीय इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सक मंच बीईसीएम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शब्बीर खान ने बताया कि हमारे इलेक्ट्रोहोम्योपैथिक चिकित्सक समाज के कार्यक्रम को अपने अख़बारों में प्रमुखता से स्थान देने के लिए तथा समाज के दुःख दर्द के मुद्दो को जनप्रतिनिधियों तथा सरकार के जिम्मेदार लोगों से हल करवाने हेतु और दिल से सेवा करने वाले पत्रकारों को प्रोत्सहित करने के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें आज कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित दो पत्रकारो राजस्थान धरा न्यूज़ के संवाददाता अकरम खान और रॉयल पत्रिका समाचार के संवाददाता जाफर अज़ीज़ लोहानी को अल्पाहार के साथ-साथ माला, मेडल, सर्टिफिकेट, मोबाइल स्टैंड विद पेन होल्डर गिफ्ट तथा तिल की गजक की मिठाई देकर तहे दिल से खातिर की गई।

पुलिस थाना एयरपोर्ट की वाहन चोरो के खिलाफ सयुंक्त बड़ी कार्यवाही

-दुपहिया वाहन चोर वसीम खान व गौरव उर्फ गोलू सिंधी को किया गिरफ्तार
-गिरफ्तार आरोपीयो के क जे से 04 स्कूटी व 01 मोटरसाईकिल की जप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका) जयपुर शहर पूर्व में लगातार हो रही वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों व संगठित अपराध की रोकथाम को मध्यनजर रखते हुये वाहन चोरो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतू दिशा निर्देश दिये गये। जिस पर सभी एसीपी साहब व जयपुर शहर पूर्व के सभी थानाधिकारियों को वाहन चोरो पर प्रभावी कार्यवाही करने के आदेश दिये गये। जिस पर कार्यवाही करने हेतू अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पूर्व आलोक सिंघल (RPS) के सुपरविजन में व विनोद कुमार शर्मा (R.P.S.) सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर जिला जयपुर पूर्व के सुखवीर सिंह (पु.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व व रूपनारायण (पु.नि.) पुलिस थाना एयरपोर्ट जिला जयपुर पूर्व के नेतृत्व मे जिला विशेष टीम व पुलिस थाना एयरपोर्ट की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा जयपुर शहर पूर्व में लगातार हो रही वाहन चोरी कि बढ़ती वारदातों को मध्य नजर रखते हुये टीम द्वारा वाहन चोरो के विरूद्ध आसूचना संकलन कर वाहन चोरो के खिलाफ थाना एयरपोर्ट जयपुर पूर्व में कार्यवाही करते हुये दो वाहन चोर 1. वसीम पुत्र बाबू खॉ जाति-मुसलमान उम्र 28 साल निवासी मकान नं.439 डिग्गी रोड़ ईदगाह मस्जिद के पास सांगानेर पुलिस थाना मालपुरा गेट जयपुर पूर्व 2. गौरव सिन्धी उर्फ गोलू पुत्र अशोक सिन्धी जाति-सिन्धी उम्र 27 साल निवासी 6 ख सेक्टर 06 जवाहर नगर पुलिस थाना जवाहर नगर जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर पुलिस थाना एयरपोर्ट के प्रकरण संख्या 05/26 व 06/26 धारा 303 (2) बी.एन.एस में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपीयों से थाना एयरपोर्ट, मालवीय नगर, गांधी नगर एवं एसएमएस की कुल 05 स्कूटी व मोटरसाईकिल जप्त की आरोपीयो से पुलिस थाना

एयरपोर्ट पर पूछताछ जारी।

विवरण-

गिरफ्तार आरोपी वसीम व गौरव उर्फ गोलू सिंधी ने पूछताछ में बताया कि हमें स्मैक पिने की लत होने के कारण हम वाहन चोरी करते है हमे स्मैक पिने की बहुत ज्यादा लत लग गई जिससे हम वाहन चोरी करते है चोरी कर वाहन से हम मोबाईल, पर्स, स्नैचिंग व सूने घरो में चोरी करते है चोरी कर माल को हम सस्ते दामों में कबाड़ी या राह चलते लोगो को बेच देते है। बेचे माल से आये पैसो की हम स्मैक पीते है। चोरी करी स्कूटी व मोटरसाईकिल में पेट्रोल खत्म होने पर सुनसान जगह छोड़ देते फिर दुसरी स्कूटी या मोटरसाईकिल चोरी कर लेते है। कभी कभी हम स्मैक के ज्यादा नशा होने के कारण हमें जगह का पता नही होता कही पर भी चोरी वाली व गाड़ी खड़ी करने वाली जगह को हम भूल जाते है। जयपुर शहर से हमने अब तक एक दर्जन से ज्यादा वारदात कर चूके है।

कार्यवाही-

पुलिस थाना एयरपोर्ट जयपुर पूर्व पर मुकदमा नं. 05/26 व 06/26 धारा 303 (2) बी एन एस में दर्ज मुल्जिम वसीम पुत्र बाबू खॉ जाति-मुसलमान उम्र 28 साल, गौरव सिन्धी उर्फ गोलू पुत्र अशोक सिन्धी जाति-सिन्धी उम्र 27 साल को गिरफ्तार किया गया।

सांगानेर थाना पुलिस की कार्यवाही, 2 शातिर अपहरणकर्ता गिरफतारा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर में अपहरण की बढती वारदातों की रोकथाम के क्रम में प्रभावी कार्यवाही करने व अपराधियों की धरपकड हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस आयुक्त जयपुर महानगर के निर्देशानुसार जयपुर पूर्व के समस्त थानाधिकारियों को अपहरण की वारदातों की रोकथाम व वारदात करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस थाना सांगानेर जयपुर में दर्ज मुकदमा नं 507/2025 धारा 140(2), 307 BNS में मुल्जिमों की धरपकड हेतु आलोक सिंघल आरपीएस अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व के निर्देशन में हरि शंकर शर्मा आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर के निकट सुपरविजन में लिखमाराम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना सांगानेर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

घटना का विवरण-

मुस्तगीस ने दिनांक 13 दिसंबर 2025 को मै मेरे दुकान के काम से जयपुर आया था वापसी में रात 8.30 बजे टोंक जाने के लिए मैं सांगानेर मे चाकसू बस स्टैण्ड पर खडा था बस नही आने पर एक स्वीफट डिजायर का मे मै टोंक जाने के बैठ गया। कार मे 4 अन्य लोग भी सवार थे । करीब 10 मिनिट बाद उन लोगो ने मेरे गले पर चाकू लगा दिया और हाथ पैर बाधंकर स्मैक खरीदने के लिए 1 लाख रुपये मागें। फिर वे कार को सुनसान जगह पर ले गये मेरे साथ मारपीट की और मेरी तलाशी लेकर जेब में रखा एटीएम कार्ड व 8 हजार रुपये निकाल लिए। उन्होने एटीएम कार्ड के पिन नंबर के लिए मुझ पर दबाव बनाया और मारपीट की इस दौरान उन्होने जेब में रखा मोबाइल भी ले लिया। मैने मेरी जान बचाने के लिए उनको एटीएम कार्ड का पिन बता दिया। जब उन्होने बॅलेंस चैक किया तब मेरे खाता से अलग अलग किस्तो मे कुल 192000 रु निकाल लिए। रात को वे मुझे अलग अलग स्थानो पर लेकर घुमते रहे इस दौरान उन्होने घरवालो से भी 50 लाख की फिरौती मांगने कीबात कही। बाद में रात करीब 1.30 बजे मुझे टोंक रोड पर रिंग रोड से पहले एक पेट्रोल पम्प के पास पटक गए। जिस पर थाना सांगानेर जयपुर में मुकदमा नं 507/2025 धारा 140(2), 307 BNS में दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। गठित टीम द्वारा स्मार्ट पुलिसिग एवं अथक प्रयास करते हुए मनोज कुमार मीणा व घनश्याम मीणा को गिरफ्तार किया गया।

गिरफतारशुदा मुल्जिमान का विवरण-

मनोज कुमार मीणा पुत्र लडडू लाल मीणा जाति मीणा उम्र 23 साल, घनश्याम मीणा पुत्र श्रीबजरंगलाल जाति मीणा उम्र 27 साल।

महेश जड़वाल ने कम्बल वितरण की और गजक के साथ सड़क सुरक्षा की मीठी मनुहार की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत मकर संक्रांति पर्व पर बुधवार को यादव समाज मनोहरपूर के नगर अध्यक्ष महेश जड़वाल ने वाहन चालकों से गजक के साथ यातायात नियमों की पालना की मीठी मनुहार की। जड़वाल ने सैय्यद लाल खाँ बाबा मार्केट व गाँधी चौक पर गजक गुड़ और तिल्ली बांटकर वाहन चालकों से सड़कों पर सुरक्षित आवागमन के लिए नियमों की पालना की मीठी मनुहार की। सबसे समझाइश की गई कि जब भी दोपहिया वाहन चलाएं तब अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट लगाएं। चारपहिया वाहन

चलाते समय सीट बेल्ट लगाएं। अभियान में महिला - पुरषों को पम्प प्लेट व गजक रेवड़ी बांटकर सड़क सुरक्षा की जानकारी दी गई। हेलमेट और यातायात के नियमों के बारे में बताया तथा लाइसेंस बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। जड़वाल ने सांयकाल को मशहूर पत्रकारों को पुरस्कार दिया व गरीब लोगों को कम्बल वितरण किया ।

हवामहल आमेर जोन की कार्रवाई

-नगरीय विकास कर नहीं जमा कराने पर 6 संपत्तियां कुर्क

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर ने नगरीय विकास कर नहीं चुकाने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर मंगलवार को हवामहल -आमेर जोन में बकायेदार संपत्ति मालिकों पर कुर्की की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई का नेतृत्व उपायुक्त सीमा चैधरी ने किया। कार्रवाई में कार्यवाहक राजस्व अधिकारी पार्वती सोनी, राजस्व निरीक्षक मोहम्मद कासिम और सतर्कता शाखा (मुख्यालय) नगर निगम जयपुर की टीम शामिल रही। अभियान के दौरान कुल 06 संपत्तियों को कुर्क किया गया, जिन पर नगरीय विकास कर की कुल बकाया राशि ₹19,51,197ध्- थी। बार-बार नोटिस देने के बावजूद कर जमा नहीं कराने पर निगम ने यह कठोर कदम उठाया।

आवश्यक नम्बर रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

युवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत ABVP ने कन्या महाविद्यालय करौली में आयोजित की खेलकूद प्रतियोगिता

हनीस शेख, कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) द्वारा युवा दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे युवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आज राजकीय कन्या महाविद्यालय, करौली में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य जमुना लाल मीणा द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। इस अवसर पर जयपुर प्रांत के जनजाति प्रांत सहप्रमुख लोकेश मीणा का विशेष प्रवास रहा। उन्होंने अपने संबोधन

में कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलता है और उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित होकर विद्यार्थी परिषद युवाओं के शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे युवा समाज और राष्ट्र के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर विद्यार्थी कार्यवाह सोनू शिवाजी भी मंचासीन रहे। उन्होंने छात्राओं को नियमित खेलकूद को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता, महाविद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भाया ने मतदाताओं एवं ग्रामीणों का जताया आभार

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अन्ता ओम सुमन मिर्जापुर ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया द्वारा लगातार अन्ता विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में पहुंचकर धन्यवाद यात्रा के माध्यम से मतदाताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया जा रहा है। गुरूवार को अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया तहसील अन्ता क्षेत्र के गांव बालाखेडा, बमूलिया जोगियान, धतूरिया, काषीपुरा, रूपपुरा, सिन्धपुरी, तीखोद एवं गणेषपुरा में पहुंचकर मतदाताओं एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों एवं ग्रामीणों द्वारा गांवों में प्रमोद जैन भाया का फूल मालाओं, साफाबंदी, आतिषबाजी कर एवं घोडी पर बिठाकर भव्य आत्मीय स्वागत सम्मान किया गया। भाया

द्वारा बुजुर्गो के चरण वंदन किए तथा मंदिरों पर ढोक लगाई। ग्रामीणों द्वारा इस दौरान विधायक भाया को कई समस्याओं को लेकर अपने परिवाद भी सौंपे गए। अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि जनतंत्र में मतदाता ही सबसे बडी ताकत होती है तथा अन्ता विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने एक बार फिर से उन पर जो विष्वास जताते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाया है इसके लिए वह जिन्दगी भर ऋणी रहेंगे तथा क्षेत्र के विकास में कोई कोर-कसर नही छोडेंगे। भाया शुक्रवार 16 जनवरी को सोरखण्डकलां, देवपुरा, कालाखेडा, सांकली, सरकन्या, पचेलकलां, पचेलखुर्द, काचरी एवं तामखेडा में पहुंचकर मतदाताओं तथा ग्रामीणों का धन्यवाद ज्ञापित करेंगे।

महवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बुलेट गाड़ियों के साइलेंसर खोले और चालन काटे

-शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस की विशेष अभियान

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के महवा में दौसा टि आई सचिन कुमार शर्मा व विनोद कुमार हेडकांस्टेबल के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस कर्मी महवा ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बुलेट गाड़ियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है, जिनमें तेज आवाज वाले साइलेंसर लगे हुए थे। पुलिस ने इन गाड़ियों के साइलेंसर खोले और चालन काटे, जिससे तेज आवाज वाले मोटरसाइकिल चालकों में अफरा-तफरी मच गई।ट्रैफिक पुलिस कर्मी रामेश्वर दयाल शर्मा ने बताया कि बिना नंबर प्लेट गाड़ी वालों में अन्य तरीका से लिखावट या अन्य प्रकार के शायरनो वाली गाड़ी का चालान काटा जाएगा। यह अभियान 7 दिन तक चलेगा। इस अभियान में शामिल ट्रैफिक पुलिस कर्मी रामेश्वर दयाल शर्मा, अंगूरसिंह मीणा , नरेंद्र सिंह, बाबूलाल, के नेतृत्व में थाना महवा पर चालान काटे।इस कार्रवाई से शहर के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो तेज आवाज वाले साइलेंसर से परेशान थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के साइलेंसर की जांच कराएं और नियमों का पालन करें। जिसमें महवा पुलिस की इस कार्रवाई के कारण शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए है। तेज आवाज वाले साइलेंसर से लोगों को परेशानी होती है, और यह कार्रवाई उन लोगों के लिए है जो नियमों का पालन नहीं करते हैं पुलिस का कहना है कि यह

अभियान 7 दिन तक चलेगा, और आगे भी जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि वे शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे महवा पुलिस की इस कार्रवाई से शहर के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो तेज आवाज वाले साइलेंसर से परेशान थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के साइलेंसर की जांच कराएं और नियमों का पालन करें।

जिला कलक्टर ने किया प्रस्तावित कचरा निस्तारण प्लांट स्थल का अवलोकन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने गुरुवार को नेतेवाला में प्रस्तावित कचरा निस्तारण प्लांट स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों से प्रस्तावित कचरा निस्तारण प्लांट के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गुरुवार सुबह जिला कलक्टर द्वारा नेतेवाला स्थित प्रस्तावित कचरा निस्तारण प्लांट स्थल का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों से प्रस्तावित कचरा निस्तारण प्लांट के संबंध में अब तक हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक चर्चा की। इसके पश्चात उन्होंने 14 जेड में प्रस्तावित और 6 जेड में संचालित हो रहे कचरा निस्तारण प्लांट का भी अवलोकन किया। 6 जेड में कचरा निस्तारण प्लांट अवलोकन के दौरान उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आने वाले कचरे का समुचित रूप से

निस्तारण किया जाए। इस दौरान विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई करते हुए आमजन को परेशानी ना हो, इसका ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाहनों के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले कचरे का परिवहन और निस्तारण इस प्रकार किया जाए ताकि उस आमजन को परेशानी ना हो। इस अवसर पर एटीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एक्सईएन मंगत सेतिया सहित अन्य मौजूद रहे।

डोडा पोस्त तस्करी पर कोर्ट का कड़ा प्रहार NDPS मामले में तस्कर को 1 साल का कठोर कारावास

रायसिंहनगर (रॉयल पत्रिका)। रायसिंहनगर की अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (ADJ) ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए डोडा पोस्त तस्करी के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 1 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। ADJ विपिन बिश्नोई की अदालत ने यह फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि नशा तस्करी समाज के लिए गंभीर खतरा है और ऐसे अपराधों में किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जा सकती। अपर लोक अभियोजक वेद प्रकाश ठंडी ने बताया कि 9 मार्च 2018 को मुकलावा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान गांव झोटांवाली निवासी सुखमन्दर सिंह को गिरफ्तार किया था। पुलिस तलाशी में आरोपी के कब्जे से 2 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया था। मामले में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत होने पर अदालत ने आरोपी को NDPS एक्ट के तहत दोषी करार दिया। कोर्ट के इस फैसले से क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है और कानून का डर और मजबूत हुआ है।

स्कूली छात्राओं को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की दी जानकारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार गुरुवार को असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अक्षय सिंह राजावत एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के कनिष्ठ सहायक दीपक नामा द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मानटाउन सवाई माधोपुर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित जागरूकता शिविर में असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत एवं कनिष्ठ सहायक दीपक नामा द्वारा उपस्थित छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को जानकारी देते हुए बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय/राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 4 दिसंबर 2025 से बालविवाह मुक्त भारत के लिए 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बाल विवाह की व्यापकता, जोखिम

वाले क्षेत्रों में बाल विवाह के पीड़ितों की पहचान कर बालविवाह की तत्काल रोकथाम करना और दीर्घकालिक सामुदायिक जागरूकता को मजबूत करना है। इस दौरान असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत एवं कनिष्ठ सहायक दीपक नामा द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम "पोक्सो एक्ट" 2012, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से प्राप्त निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, बाल विवाह रोकथाम हेतु गठित आशा यूनिट, बाल विवाह की शिकायत के निवारण में विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों की भूमिका आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत द्वारा छात्राओं को बाल विवाह नहीं करने, बाल विवाह का विरोध करने एवं अपने आस-पास होने वाले बाल विवाह की सूचना अपने माता-पिता, शिक्षकों, प्रशासन को देने के संबंध में शपथ दिलवाई गई।

5 करोड़ 18 लाख का पीडब्ल्यूडी घोटाला उजागर?

-बींझबायला में सीसी रोड–नाला निर्माण में भारी गड़बड़ी, सड़क में दरारें—नाले बिखरे

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला कस्बे में सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा कराए जा रहे सीसी रोड व नाला निर्माण में बड़ी अनियमितताओं का मामला सामने आया है। करीब 5 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से 2 किलोमीटर लंबी सड़क और दोनों ओर नालों का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल के आरोपों ने पूरे कार्य को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मानकों की उड़ रही धज्जियां-

स्थानीय ग्रामीणों व व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। नालों में उपयोग हो रही सामग्री कमजोर बताई जा रही है, वहीं नई बनी सीसी रोड पर दरारें दिखाई देने लगी हैं, जो करोड़ों के कार्य पर बड़ा सवाल है।

अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध-

ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय पीडब्ल्यूडी अधिकारी उदासीन बने हुए हैं, शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों ने विभागीय स्तर पर मिलीभगत की आशंका भी जताई है।

बीकानेर से आई टीम, फिर भी हालात जस के तस-

शिकायतों के बाद SE क्वालिटी के निर्देशन में बीकानेर से आई जांच टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, लेकिन टीम के जाते ही फिर लापरवाही शुरू हो गई। निरीक्षण के बाद भी निर्माणाधीन नाले बिखरने लगे और सड़क पर दरारें और साफ नजर आने लगीं।

ग्रामीणों में आक्रोश, उच्चस्तरीय जांच की मांग-

ग्रामीणों व व्यापारियों में भारी रोष है। लोगों ने मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई हो तथा घटिया निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए।

अब सवाल यह है— क्या 5 करोड़ से अधिक की इस योजना में जिम्मेदारों पर गाज गिरेगी? या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

रावतसर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हेरोइन तस्करी का खुलासा

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देश पर रावतसर पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5.30 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। साथ ही हेरोइन की सप्लाई करने वाली मुख्य सरगना महिला को भी पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर 11 निवासी रजत सोनी पुत्र जगन सोनी को अवैध हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि उसे यह नशा लखूवाली निवासी शहजादा बानो द्वारा सप्लाई किया जा रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शहजादा बानो

को भी गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई थानाधिकारी ईश्वरानंद के निर्देश पर SI विजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में की गई। इस पूरे ऑपरेशन में कांस्टेबल देवीलाल की विशेष भूमिका रही। टीम में ASI राजेंद्र सिंह, कांस्टेबल मोहनलाल, दिवान सिंह, मुकेश, रमेश और सुभाष शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों से नशे के नेटवर्क, सप्लाई चैन और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और भी नाम सामने आ सकते हैं। जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है।

26 वर्षों से बेटियों के सपनों को पंख दे रही भारत विकास परिषद् घड़साना

-सरल सामूहिक विवाह में 21 कन्याओं का हुआ विवाह, 450 से अधिक बेटियों का घर बसाया

निशान सतराना

घड़साना (रॉयल पत्रिका) । भारत विकास परिषद् शाखा घड़साना के तत्वावधान में सरल सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला, घड़साना में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में कुल 21 बेटियों का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया गया। भारत विकास परिषद् शाखा घड़साना ने वर्ष 2001 में इस पुनीत परंपरा की शुरुआत की थी, जो आज 26 वर्षों का सफर तय कर चुकी है। परिषद् की यह पहल समाज में भाईचारे, समरसता और निःस्वार्थ सेवा का अनुपम उदाहरण बन चुकी है। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि परिषद् द्वारा पहली बार मुस्लिम समाज की बालिका का विवाह भी इसी मंच से कराया गया था, जो सामाजिक सौहार्द का मजबूत संदेश देता है। परिषद् अब तक 450 से अधिक बेटियों का घर बसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। समारोह में अध्यक्ष देवीलाल सिहाग, उपाध्यक्ष नवजोत गोयल, सचिव मुकेश अरोड़ा, कोषाध्यक्ष परविंदर सिंह, संरक्षक जयदीप माहेश्वरी व सुरजीत चौधरी, प्रकल्प प्रमुख प्रवीण गर्ग, सह-प्रकल्प प्रमुख बलवंत सिंह बंदेशा व शम्मी बलाना सहित परिषद् के अनेक पदाधिकारी

व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन रामकुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम में श्रीराम पब्लिक स्कूल व जीनियस स्टार पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है, जो सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण है। समारोह के अंत में परिषद् पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी यह सेवा कार्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जारी रहेगा, ताकि हर जरूरतमंद बेटी को सम्मानपूर्वक नया जीवन मिल सके। इस मौके पर महंत पूनम बाई ने बेटियों को 21 सूट ओर 2100 रूपए का आर्थिक सहयोग किया तथा इसके साथ ही क्षेत्र का लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया मकर संक्रांति का पर्व

बारां (रॉयल पत्रिका)। मकर संक्रांति के पर्व को लेकर बुधवार 14 जनवरी को बारां जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में काफी हलचल रही। ग्राम पंचायत नारेड़ा समेत आस पास के गांवों में मकर संक्रांति का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार को महिलाएं सज धज कर नए परिधान पहनकर मंगल गीत गाती हुई खेतों पर लावणीया फेरने पहुंची, जहां घर में बनाए पुड़ी, पुए, पकौड़ी, खिचड़ी, तिल, गुड को खेतों की मिट्टी में दबाकर धरती माता से प्रार्थना की के खेत में खड़ी फसल में अच्छा उत्पादन निकले। इस अवसर पर छोटे बच्चों और बड़े ओर महिलाएं मकानों की छतों पर मनोरंजन करते हुए पतंग उठाते नज़र आए। छतों पर यह काटा वो काटा कि आवाज गूंजती रही ।

नशे के खिलाफ पदमपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले में अवैध नशे के कारोबार पर पुलिस ने एक और करारा प्रहार किया है। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन के सख्त निर्देशन में पदमपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 किलो 30 ग्राम अवैध डोडा पोस्त के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई CI सुमन जयपाल ने अपनी टीम के साथ अंजाम दी। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी मौके से जब्त किया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरी कार्रवाई CO पुष्पेंद्र सिंह के सुपरविजन में की गई, जो जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। मामले की आगे की जांच घमुड़वाली CI राजेंद्र सिंह चारण को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर युवाओं को नशे की गिरफ्त में नहीं जाने दिया जाएगा। इस कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप मच गया है और पुलिस की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

घड़साना में दिनदहाड़े फायरिंग से दहशत, सखी मार्ग पर खुलेआम चली गोली, बदमाश फरार

श्रीगंगानगर/ घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना कस्बे में गुरुवार को उस वक्त सनसनी फैल गई जब नई मंडी थाना क्षेत्र के सखी मार्ग पर एक बदमाश ने खुलेआम फायरिंग कर दी। फायरिंग की घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश कार में सवार होकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश कार से आया था और अचानक गोली चला दी। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही नई मंडी घड़साना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू की और मौके से कारतूस का एक खोल बरामद किया गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने बदमाश की तलाश के लिए नाकाबंदी करवाई है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल फायरिंग के पीछे की वजह सामने नहीं आ सकी है। इलाके में दहशत, पुलिस अलर्ट मोड पर, कार सवार बदमाश की तलाश जारी ।

घड़साना में विद्युत कर्मचारियों का धरना समाप्त

-दो निलंबित कर्मचारियों की बहाली पर बनी सहमति, आंदोलन दूसरे दिन खत्म

घड़साना (रॉयल पत्रिका)। घड़साना स्थित विद्युत विभाग कार्यालय के समक्ष राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में चल रहा धरना दूसरे दिन वार्ता के बाद समाप्त हो गया। आज अधिशासी अभियंता मनोज कुमार से विद्युत कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल की हुई वार्ता में दो निलंबित कर्मचारियों की बहाली पर सहमति बन गई। वार्ता के दौरान सहमति बनी कि ईएस मानकेश मीणा को तुरंत प्रभाव से बहाल कर रायसिंहनगर अथवा श्रीविजयनगर में पदस्थापित किया जाएगा, जबकि लाइनमैन हरजीत सिंह गिल को तुरंत प्रभाव से बहाल कर अनूपगढ़ में पदस्थापित किया जाएगा। धरना स्थल पर आज आंदोलन को और मजबूती तब मिली, जब रावला उपखंड, अनूपगढ़ उपखंड एवं छत्तरगढ़ उपखंड के विद्युत कर्मचारियों ने संयुक्त संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया। कर्मचारियों ने एकजुट होकर अन्यायपूर्ण कार्रवाई के विरोध में आवाज बुलंद की। दोनों कर्मचारियों की बहाली पर सहमति बनने के बाद राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय अधिकारियों का आभार व्यक्त किया और कर्मचारियों के हित में सकारात्मक निर्णय के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। सहमति के पश्चात आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कर दिया गया।

लगातार गिर रहा यह शेयर, कंपनी के मालिक बेचने वाले हैं पूरी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जूता निर्माता मिर्जा इंटरनेशनल से अलग हुई कंपनी रेडटेप लिमिटेड के शेयरों में बुधवार, 14 जनवरी को जोरदार गिरावट देखने को मिली। शेयर 7 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर करीब 120.47 के स्तर पर कारोबार करते नजर आए। बीते पांच कारोबारी सत्रों में से चार दिन स्टॉक में गिरावट रही है। साल की शुरुआत भी रेडटेप के लिए खास अच्छी नहीं रही है, क्योंकि इससे पहले भी शेयर लगातार दबाव में रहे थे। मंगलवार को हालांकि रेडटेप के शेयरों में करीब 12 प्रतिशत की तेज उछाल आई थी। इसकी वजह रॉयटर्स की एक रिपोर्ट रही, जिसमें दावा किया गया था कि कंपनी के प्रमोटर्स अपनी बहुलांश हिस्सेदारी या पूरी हिस्सेदारी बेचने के लिए ब्लैकस्टोन और केकेआर जैसे बड़े ग्लोबल निवेशकों की दिलचस्पी टटोल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील करीब 510 मिलियन (लगभग 4,000 करोड़ से ज्यादा) की हो सकती है। इसी खबर के दम पर शेयर में अचानक तेजी आई थी। हालांकि, इस रिपोर्ट पर सफाई देते हुए रेडटेप के प्रमोटर्स ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई ठोस घटनाक्रम नहीं हुआ है, जिसकी जानकारी सेबी नियमों के तहत सार्वजनिक करना जरूरी हो। साथ ही प्रमोटर्स ने यह भी जोड़ा कि कंपनी और उसके प्रमोटर्स समय-समय पर बिजनेस ग्रोथ, विस्तार और वैल्यू क्रिएशन से जुड़े रणनीतिक विकल्पों पर विचार करते रहते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि मिर्जा फैमिली ने अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए अर्न्स्ट एंड यंग को फाइनेंशियल एडवाइजर नियुक्त किया है। शेयरहोल्डिंग की बात करें तो सितंबर तिमाही के अंत तक प्रमोटर्स के पास 71.8 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि दिसंबर तिमाही के आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं। रेडटेप के शेयर पहले ही दबाव में थे और 2025 में अब तक करीब 44 प्रतिशत टूट चुके हैं। ऐसे में डील की अफवाहों और प्रमोटर्स के बयान के बीच निवेशक असमंजस में नजर आ रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक हिस्सेदारी बिक्री को लेकर कोई साफ घोषणा नहीं होती, तब तक रेडटेप के शेयरों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस का बंपर डिस्काउंट ऑफर, घरेलू उड़ानें सिर्फ 1350 से शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एक अच्छे ऑफर की उम्मीद में अपनी यात्रा स्थगित कर रहे थे, तो अब बुक करने का यह सही मौका है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर किराए में डिस्काउंट पेश करते हुए सीमित अवधि की टाइम टू ट्रैवल सेल शुरू की है। लाइट फेयर (बिना चेक-इन बैगेज) घरेलू रूट्स पर 1,350 से और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर 5,450 से शुरू है। यह ऑफर 16 जनवरी, 2026 तक बुकिंग के लिए खुला है। इस छूट वाला किराया 20 जनवरी से 30 अप्रैल, 2026 के बीच की यात्रा के लिए मान्य है। लाइट फेयर (बिना चेक-इन बैगेज)- घरेलू रूट्स पर 1,350 से और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर 5,450 से शुरू। वैल्यू फेयर (स्टैंडर्ड बैगेज सहित)- घरेलू रूट्स पर 1,400 से और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर 5,550 से शुरू। बिजनेस फेयर- घरेलू रूट्स पर 8,300 से और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर 8,500 से शुरू। बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के मुताबिक यह ऑफर 16 जनवरी, 2026 तक बुकिंग के लिए खुला है। इस छूट वाला किराया 20 जनवरी से 30 अप्रैल, 2026 के बीच की यात्रा के लिए मान्य है। यह ऑफर आने वाले महीनों में स्प्रिंग की छुट्टियों, परिवार से मिलने, काम की यात्रा या अंतरराष्ट्रीय गेटअवे की योजना बना रहे यात्रियों के लिए खास तौर पर उपयोगी है। एयरलाइन की लॉयल्टी सिस्टम के सदस्य अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर सकते हैं। न्यूपास सदस्य बिजनेस क्लास किराए पर 25 प्रतिशत तक की छूट पाने के हकदार हैं, एक्सप्रेस के विस्तार के हिस्से के रूप में शामिल किए गए 40 से अधिक नए बोइंग 737-8 विमानों पर उपलब्ध है।

टर्म इंश्योरेंस: भारतीय परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा की नींव

यह आपके परिवार के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करता है

इंदौर/भोपाल ।

Sabse Pehle Life Insurance

भारत जैसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था में, टर्म लाइफ इंश्योरेंस परिवार की आर्थिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। अगर घर के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाती है, या फिर असमय उसकी मौत हो जाती है तो यह इंश्योरेंस उसके पीछे छूटे परिवार को वह वित्तीय मदद देता है जिसकी उन्हें सख्त जरूरत होती है। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (आईएसी-लाइफ) के एक सदस्य ने कहा, जैसे-जैसे परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ती हैं, टर्म इंश्योरेंस लेना दिखावा नहीं बल्कि एक जरूरत बन जाता है। यह आपके परिवार के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करता है, जिससे आप बिना किसी चिंता के जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। जब आपको पता होता है कि आपके अपनों का भविष्य सुरक्षित है, तो आपको मन की शांति मिलती है और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने पर बेहतर ध्यान दे पाते हैं। अगर आप टर्म इंश्योरेंस खरीदने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं, तो वह समय आज ही है। मेरी हर परिवार से गुजारिश है कि वे घर के कमाने वाले सदस्यों का बीमा जरूर करवाएं ताकि उनके भविष्य की नींव मजबूत रहे।

टर्म इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें बहुत कम प्रीमियम में उच्च लाइफ कवर मिलता है और यह आपकी अनुपस्थिति में आपके प्रियजनों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक आदर्श साधन है। उदाहरण के लिए, अगर 30 साल का कोई स्वस्थ व्यक्ति जो धूम्रपान नहीं करता, वह हर महीने करीब 1,000 रुपये देकर 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर ले सकता है। भगवान न करे अगर उसे कुछ हो जाए, तो बीमा कंपनी से मिलने वाले इन पैसों से उसका परिवार घर के खर्च चला सकता है, पुराने कर्ज चुका सकता है और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठा सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो यह आपकी गैर-मौजूदगी में आपके परिवार के रहन-सहन को बिगड़ने नहीं देता। सही कवरेज और अवधि कैसे निर्धारित करें-सही टर्म इंश्योरेंस कवर चुनते समय वर्तमान खर्चों, दायित्वों और भविष्य की जिम्मेदारियों का मूल्यांकन जरूर करना चाहिए। एक सामान्य नियम यह है।

लॉर्ड्स मार्क दुनिया के पहले डेटा-ड्रिवन सोलर डिज़ाइन से दुर्घटना संभावित हाईवे को रोशन करेगा

मुंबई, एजेंसी। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड को नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया से विजयवाड़ा क्षेत्र के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर फेज-1 के तहत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चिन्हित 104 दुर्घटना-संभावित और ब्लैक स्पॉट स्थानों पर सोलर हाईवे लाइटिंग लगाने का काम मिला है।

एक कॉम्पिटिटिव कमर्शियल बिडिंग प्रोसेस के बाद, लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सिग्निफाई इनोवेशंस इंडिया लिमिटेड (पहले फिलिप्स लाइटिंग इंडिया लिमिटेड) के साथ पार्टनरशिप में, सर्वे, डिज़ाइन, मैन्युफैक्चरिंग और प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए सफल बिडर के रूप में सामने आई। यह प्रोजेक्ट रोड सेफ्टी में टेक्नोलॉजी पर आधारित एक पहल है, जो दुनिया की पहली, डेटा-ड्रिवन मेथोडोलॉजी पर आधारित है। इसमें रिसर्च-बेस्ड एक्सीडेंट एनालिटिक्स, ऑन-ग्राउंड विजिबिलिटी डायग्नोस्टिक्स और इंटेलिजेंट सोलर लाइटिंग डिज़ाइन को इंटीग्रेट किया गया है। पारंपरिक रोशनी वाले प्रोजेक्ट्स से अलग, यह सॉल्यूशन खास सर्वे फ्रेमवर्क और प्रेडिक्टिव रिस्क मैपिंग का इस्तेमाल करके एक्सीडेंट वाली जगहों पर स्ट्रक्चरल सेफ्टी की कमियों को सटीक रूप से पहचानता है और उन्हें ठीक करता है। इसका मकसद सिर्फ़ रोशनी बढ़ाना नहीं है, बल्कि चकाचौंध, कंट्रास्ट लॉस, अप्रोच एंगल और ड्राइवर रिएक्शन ज़ोन को टारगेट करके विजिबिलिटी के नतीजों को बेहतर बनाना है, ताकि एक्सीडेंट्स को काफी कम किया जा सके और हाईवे सेफ्टी में मापने योग्य सुधार किए जा

सकें। काम का दायरा कई स्ट्रेटेजिक हाईवे स्ट्रेच तक फैला हुआ है, जिसमें एनएच-16 के अनाकापल्ली-अन्नावरम-दिवांचेरुवु सेक्शन पर किमी 741.255 से किमी 1022.494 तक, एनएच-216 का दिवांचेरुवु-सिद्धानथम-गुंडुगोलानु सेक्शन, एनएच-16 पर किमी 15.320 से किमी 85.204 तक गुंडुगोलानु-देवरापल्ली-कोव्वुरु स्ट्रेच, और एनएच-216 पर किमी 0.000 से चद्व 27.500 तक काथीपुडी से काकीनाडा बाईपास की शुरुआत तक का हिस्सा शामिल है। विजयवाड़ा का यह प्रोजेक्ट एक बड़े, पूरे भारत के प्रोग्राम का पहला फेज है, जिसे लॉर्ड्स मार्क चार साल की अवधि में पूरा करने की योजना बना रहा है, जिसमें यह पहल अगले फेज में बढ़ने पर कई राज्यों के नेशनल हाईवे को कवर करेगी।

सोनालीका ट्रैक्टर: 'जीतने का दम' के 30 वर्ष - दूरदृष्टि, साहस और प्रतिबद्धता से निर्मित विरासत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसे दूरदर्शी लीडर्स का मार्गदर्शन मिला है, जिनकी बुद्धिमत्ता और दूरदर्शिता ने उद्योगों को रूपांतरित किया है और भारतीय उत्कृष्टता को वैश्विक मंच पर पहुंचाया है। सोनालीका ट्रैक्टर्स इसी भावना का सशक्त आधुनिक प्रतीक है और ब्रांड किसानों के साथ साझेदारी के 30 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, जो जीतने का दम के अटूट विश्वास से प्रेरित है। सोनालीका की तीन दशकों की उल्लेखनीय यात्रा एक असंभव भारतीय सफलता की कहानी है - जिसकी शुरुआत होशियारपुर जैसे छोटे शहर से हुई और यह 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर के वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध ट्रैक्टर बिज़नेस में तब्दील हो गई। आज सोनालीका को भारत की सबसे बड़ी कंपनियों की फॉर्च्यून 500 सूची में भी स्थान प्राप्त है। साथ ही, सोनालीका भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, भारत में तीसरा सबसे बड़ा ट्रैक्टर निर्माता और वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा ट्रैक्टर ब्रांड है।

सोनालीका की कहानी एक परिवार के नेतृत्व वाली सोच है जो एक सरल लेकिन दमदार विश्वास पर आधारित है- भारतीय किसानों को और अधिक मिलना चाहिए - अधिक ताक़त, अधिक विश्वसनीयता, अधिक सम्मान और भारतीय परिस्थितियों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई तकनीक। एल आई सी से रिटायर होने के बाद, जब अधिकांश लोग आराम

करना पसंद करते हैं, श्री एल. डी. मित्तल ने आगे बढ़ने का विकल्प चुना। भारत की कृषि क्षमता में उनका दृढ़ विश्वास उनके पुत्रों, डॉ. ए. एस. मित्तल और डॉ. दीपक मित्तल में भी झलकता था। उन्होंने मिलकर सोनालीका की नींव रखी - जो बोर्डरूम से परे, खेतों, कार्यशालाओं और किसानों की वास्तविकताओं के अनुसार बनी। यह यात्रा कृषि इम्प्लीमेंट से शुरू हुई, जहां सोनालीका के थ्रेशर ने भरोसे और प्रदर्शन को नई परिभाषा दी। किसानों ने विश्वास जताया और जल्द ही उसी दमदार ताक़त से निर्मित ट्रैक्टरों की मांग करने लगे। 1996 में, जब ट्रैक्टर उद्योग में एकरूपता का बोलबाला था, तब सोनालीका ने एक अलग राह चुनी। उन्नत आर एंड डी केंद्रों की कमी के बावजूद, कंपनी ने एक साहसिक संकल्प लिया- ट्रैक्टरों को भारत की विविध फसलों, मिट्टी और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाएगा। जहाँ अन्य कंपनियां बाज़ार के लिए ट्रैक्टर बनाती थीं, वहीं सोनालीका किसानों के लिए ट्रैक्टर बनाती

मित्तल परिवार का मानना था कि भारतीय किसान एक वर्ग नहीं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, जलवायु, संस्कृतियों और आकांक्षाओं वाला एक समूह हैं। सोनालीका की इंजीनियरिंग और विश्वसनीयता इतनी सशक्त है कि कंपनी द्वारा 30 वर्ष पूर्व निर्मित पहला ट्रैक्टर आज भी इंजन के पहले ही क्रैंक में आसानी से स्टार्ट हो जाता है - जो अटूट विश्वास का जीता-जागता प्रतीक है।

अनुसंधान को गति देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

एसरी इंडिया और टेरी एसएएस ने जियोस्पैटियल शिक्षा और

नई दिल्ली, एजेंसी। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) टेक्नोलॉजीज और लोकेशन इंटेलिजेंस सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में जियोस्पैटियल शिक्षा को गति देने, क्षमता निर्माण करने और व्यवहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दि एनर्जी एंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़ (टेरी एसएएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। टेरी-एसएएस एक डीम्ड टु बी युनिवर्सिटी है। इस रणनीतिक गठबंधन के जरिए दोनों संगठन शासन व टिकाऊ विकास के लिए जीआईएस टेक्नोलॉजीज़ के उपयोग को बढ़ावा देने वाली पहल में अपनी पूरक ताकतों का संयुक्त इस्तेमाल करेंगे। पर्यावरण, ऊर्जा और टिकाऊपन में टेरी एसएएस की विशेषज्ञता का एसरी इंडिया की अत्याधुनिक जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी के साथ उपयोग करने से यह गठबंधन भारत में एक जबरदस्त जियोस्पैटियल पारितंत्र तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित करेगा। एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशकअगेन्द्र कुमार ने कहा, टेरी एसएएस के साथ यह गठबंधन भारत के जियोस्पैटियल शिक्षा पारितंत्र को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी उन्नत जीआईएस टेक्नोलॉजी को टिकाऊपन को लेकर टेरी एसएएस के अकादमिक परिश्रम और अनुसंधान उत्कृष्टता में मिलाकर हम जियोस्पैटियल पेशेवरों और निर्णय कर्ताओं की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के लिए एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म तैयार कर रहे हैं। संयुक्त रूप से क्षमता निर्माण की पहल और पाठ्यक्रम तैयार कर हमारा लक्ष्य शहरी नियोजन, पर्यावरण प्रबंधन, आपदा लचीलापन और ढांचागत विकास सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में डेटा संचालित, स्थान आधारित दृष्टिकोणों को अपनाने को गति देना है। यह गठबंधन इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे अकादमिक संस्थान और उद्योग जियोस्पैटिल इंटेलिजेंस एवं नवप्रवर्तन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए साथ मिलकर काम कर सकते हैं। यह एमओयू जियोइन्फॉर्मेटिक्स पेशेवरों का एक कार्यबल तैयार करने के लिए अत्याधुनिक जियोस्पैटियल टूल्स और तकनीकी पर साथ मिलकर काम करने के लिए डिजाइन है।

भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में कटौती की

नई दिल्ली, एजेंसी । रिलायंस इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों द्वारा कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती के बाद दिसंबर 2025 में रूस से इस ईंधन को खरीदने के मामले में भारत तीसरे स्थान पर आ गया है । यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी । इसके अनुसार भारत द्वारा रूस से कुल हाइड्रोकार्बन आयात दिसंबर में 2.3 अरब यूरो रहा, जो पिछले महीने के 3.3 अरब यूरो से कम है । रिपोर्ट में कहा गया, तुर्की भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने रूस से दिसंबर में 2.6 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन खरीदे । चीन शीर्ष खरीदार बना रहा, जिसकी रूस के शीर्ष पांच आयातकों से होने वाली निर्यात आय में 48 प्रतिशत (छह अरब यूरो) की हिस्सेदारी रही । सीआरईए ने कहा कि भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में मासिक आधार पर 29 प्रतिशत की भारी गिरावट हुई । रिपोर्ट के अनुसार इस कटौती की मुख्य वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी रही, जिसने दिसंबर में रूस से अपने आयात को आधा कर दिया । सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों ने भी दिसंबर में रूसी आयात में 15 प्रतिशत की कटौती की । क्रिसिल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि वेनेजुएला के हालिया घटनाक्रमों से कच्चे तेल की कीमतों पर निकट भविष्य में कोई ठोस प्रभाव पड़ने के आसार नहीं है ।

एनबीएसएल और केनरा बैंक ने यूपीआई भुगतान को सशक्त बनाने के लिए साझेदारी की

यह साझेदारी अनुपालन, विश्वसनीयता और सिस्टम की स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए नए यूपीआई फीचर्स को तेजी से अपनाने में सक्षम बनाएगी

भोपाल, एजेंसी।
एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने केनरा बैंक के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत बैंक के भुगतान ऐप केनरा एआईवीपी पर यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान सक्षम किए जाएंगे। इस साझेदारी से केनरा बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल भुगतान की सुविधा और मजबूत होगी। यह सहयोग भीम के बैंक प्लग-इन क्षमताओं का उपयोग करता है, जिसके माध्यम से केनरा बैंक के ऐप पर यूपीआई सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे अनुपालन, विश्वसनीयता और सिस्टम स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करते हुए नए यूपीआई फीचर्स को तेजी से अपनाया जा सकेगा।

इस सहयोग के माध्यम से केनरा बैंक को भीम पेमेंट्स ऐप के तहत लॉन्च किए जाने वाले नवीनतम यूपीआई फीचर्स और अपग्रेड्स तक

पहुंच मिलेगी। यह इंटीग्रेशन बेहतर सुरक्षा, संचालनात्मक मजबूती और स्केलेबिलिटी को समर्थन देता है, साथ ही एक स्वतंत्र यूपीआई इंटरफेस के विकास, रखरखाव और नियमित अपग्रेड में लगने वाली लागत और संसाधनों को कम करने में भी मदद करता है। इसके साथ ही यह नियामकीय और इकोसिस्टम से जुड़ी आवश्यकताओं के निरंतर अनुपालन को भी सुनिश्चित करता है।

एनबीएसएल की एमडी एवं सीईओ, ललिता नटराज ने कहा, यह सहयोग विश्वसनीय और स्केलेबल तकनीक के माध्यम से यूपीआई सेवाओं की आपूर्ति को मजबूत करने के साझा प्रयास को दर्शाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को यूपीआई सुविधाओं तक निरंतर पहुंच मिले, साथ ही यूपीआई इकोसिस्टम के निरंतर विकास के बीच बैंक की संचालनात्मक और अनुपालन आवश्यकताओं को भी समर्थन मिले। केनरा बैंक का भरोसा और एनबीएसएल की तकनीकी बैकएंड मिलकर इस ऐप को सशक्त बनाते हैं।

केनरा बैंक इस दृष्टिकोण को अपनाने वाला पहला बैंक है। एनबीएसएल अन्य बैंकों के साथ भी बातचीत कर रहा है ताकि उनकी यूपीआई क्षमताओं को और मजबूत तथा विस्तारित किया जा सके।

हैबिल्ड ने बनाया योग व्यूअरशिप का 8वां वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के पहले हैबिट बिल्डिंग प्लेटफॉर्म हैबिल्ड ने एक दिन में सबसे अधिक योग व्यूअरशिप का वर्ल्ड रिकॉर्ड आधिकारिक रूप से अपने नाम किया है। इस रिकॉर्ड को वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन द्वारा प्रमाणित किया गया है। यह रिकॉर्ड पूरे दिन आयोजित छह लाइव ऑनलाइन योग सत्रों के माध्यम से बना, जिसमें सभी सत्रों की कुल सहभागिता को जोड़ा गया। इस पहल में दुनिया भर से लोगों ने भाग लिया। 9.3 प्रतिभागी इस योग अभियान से जुड़े। इस उपलब्धि को खास बनाते हुए, हैबिल्ड ने एक स्कूल के निर्माण की भी घोषणा की। इस पहल के तहत, प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाले हर नए प्रतिभागी की सहभागिता को स्कूल निर्माण में एक ईंट के योगदान के रूप में जोड़ा जाएगा। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हैबिल्ड की 'हर

घर योग' पहल का हिस्सा था। इस वर्ष की थीम नई शुरुआत के वादों पर आधारित थी। हर नया साल बेहतर स्वास्थ्य, अधिक सक्रियता और शांत मन जैसे संकल्पों के साथ शुरू होता है, लेकिन जनवरी के मध्य तक अधिकतर संकल्प टूटने लगते हैं। दरअसल, जनवरी के दूसरे शुक्रवार को अक्सर 'क्विटर्स डे' कहा जाता है, जब लोगों का उत्साह कम होने लगता है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड उसी सोच का जवाब था। इस पहल में लोगों पर ज्यादा करने का दबाव नहीं डाला गया, बल्कि उन्हें धीरे और सहज तरीके से शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया गया। परफेक्शन के पीछे भागने के बजाय, नियमित रूप से उपस्थित रहने को महत्व दिया गया। और संकल्प छोड़ने को असफलता मानने के बजाय, यह संदेश दिया गया कि दोबारा शुरुआत करना हमेशा संभव है। यह दिन नवीनीकरण, आत्मविश्वास और सचेत प्रयास का प्रतीक बना – एक ऐसा दिन, जब लोग सामूहिक रूप से शुरुआत कर सकें या फिर से शुरुआत कर सकें। 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की भागीदारी इस पहल में विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। यही समुदाय है जो हैबिल्ड की दैनिक योग साधना को आकार देता है। इस बड़े स्तर की सहभागिता ने यह दिखाया कि साझा दिनचर्या और हल्की जवाबदेही से अच्छी आदतें कैसे विकसित होती हैं। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए हैबिल्ड के को-फाउंडर और योग शिक्षक सौरभ बोथरा ने कहा,

यह दिन रिकॉर्ड बनाने से ज्यादा लोगों के खुद से दोबारा जुड़ने का था। जब सहभागिता सहज और स्वागतपूर्ण होती है, तो निरंतरता अपने आप आती है। 'हर घर योग' इसी सोच के साथ शुरू किया गया था और इसका प्रभाव साफ दिखाई दिया। हमारी कम्युनिटी हमेशा सेवा में विश्वास करती है।

इंटेंस टेक्नोलॉजीज़ का क्यू3 एफवाय26 में 34 करोड़ राजस्व

हैदराबाद। इंटेंस एंटरप्राइज संचार और डिजिटल ग्राहक जुड़ाव के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करता रहा। तिमाही के दौरान एनबीएफसी और टेलीकॉम सेक्टर से तीन नए ग्राहकों के जुड़ने के साथ, कंपनी ने डिजिटल परिवर्तन को गति दी, परिचालन दक्षता बढ़ाई और स्मार्ट ग्राहक संवाद के जरिए ठोस व्यावसायिक परिणाम हासिल किए। इंटेंस टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड , वैश्विक स्तर पर कार्यरत प्लेटफ़ॉर्म-आधारित सेवा कंपनी, ने क्यू3 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों की घोषणा की। ग्राहक संचार, डेटा प्रबंधन और प्रक्रिया स्वचालन में मिशन-क्रिटिकल समाधान देने वाली कंपनी ने , टेलीकॉम और सरकारी क्षेत्रों में अपनी मजबूत और निरंतर उपस्थिति को रेखांकित किया। इंटेंस टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सी.के. शास्त्री ने कहा-हम उद्यमों को जटिल परिवर्तनों के दौर में पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऑटोमेशन में हमारी क्षमताएं संगठनों को अधिक चुस्त बनाते हुए, तेज़ी से बढ़ते टेक्नोलॉजी-आधारित विकास के साथ कदम मिलाने में मदद कर रही हैं। हम बड़े पैमाने पर डिजिटल परिवर्तन से गुजर रहे उद्यमों के लिए ठोस और मापनीय मूल्य सृजित करने के साथ-साथ, अपने ग्राहकों और स्टेकहोल्डर्स के लिए सतत विकास के अगले चरण को आकार देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पिछली तिमाही में हमने एनबीएफसी और टेलीकॉम सेक्टर से तीन नए क्लाइंट जोड़े, जिससे एंटरप्राइज ऑपरेशंस और ग्राहक जुड़ाव को रूपांतरित करने में एक रणनीतिक और भरोसेमंद भागीदार के रूप में हमारी भूमिका और मजबूत हुई है।

बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही?

ईशा मालवीय

एक्ट्रेस के हाथ लगा है बड़ा प्रोजेक्ट!

अगर इंडस्ट्री की अफवाहों पर विश्वास करें, तो टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय अपने करियर के अब तक के सबसे बड़े पड़ाव की ओर बढ़ती नजर आ रही हैं. 'उड़ारियां' शो से फेम हासिल करने वाली ये एक्ट्रेस अब फिल्मों की ओर कदम बढ़ाने वाली हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म और प्रोडक्शन हाउस की डिटेल्स फिलहाल गुप्त रखी गई हैं, जिससे प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी ईशा मालवीय ? इंसाइडर्स का कहना है कि यह कोई साधारण फिल्म नहीं है, बल्कि एक हाई-स्केल प्रोजेक्ट है, जो ईशा के बॉलीवुड में बड़े कदम का संकेत दे सकता है। एक सोर्स से पता चला कि 'ईशा मालवीय जल्द ही एक बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। इसकी तैयारियां पहले से ही चल रही हैं और अगर सब कुछ सही रहा, तो यह उनका बॉलीवुड में बड़ा डेब्यू साबित हो सकता है।' बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट की जानकारी फिलहाल गुप्त रखी जा रही है, ताकि मेकर्स सही समय पर सब कुछ सामने ला सकें। पिछले कुछ हफ्तों में फैंस ने देखा है कि ईशा मालवीय का शेड्यूल काफी बिजी है, उनके लगातार मीटिंग्स हैं और पब्लिक अपीयरेंस में भी बदलाव नजर आ रहा है। इसने फैंस में अटकलें बढ़ा दी हैं कि उनके करियर में कुछ बड़ा होने वाला है। फिलहाल मेकर्स या ईशा की ओर से ऑफिशियल ऐलान का इंतजार है। ईशा मालवीय ने अपने करियर की शुरुआत शो उड़ारियां से की थी और इसके बाद बिग बॉस सीजन 17 में पार्टिसिपेट करके पॉपुलैरिटी हासिल की। फिलहाल इन दिनों वो लाफ्टर शेफ नाम के मजेदार कुकिंग रियलिटी शो में नजर आ रही हैं. इसके अलावा, ईशा ने सिंगर संजू राठौड़ के गाने एक नंबर में भी काम किया था, जो 2025 में इंटरनेट पर धमाल मचा चुका है। वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 3.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

विवियन डीसेना
ने भी छोड़ा 'लाफ्टर शेफ 3', ये है बड़ी वजह

'लाफ्टर शेफ 3' का दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। लेकिन, इसी बीच दो कलाकारों ने शो को छोड़ दिया है। पहले तो ईशा मालवीय ने शो को छोड़ने की घोषणा की और अब खबर है कि विवियन डीसेना ने भी एक्जिट ले लिया है। उन्होंने एक महीने बाद ही शो को छोड़ दिया है। मेकर्स को इससे तगड़ा झटका लगा है। 'लाफ्टर शेफ 3' में विवियन और ईशा सिंह की जोड़ी देखने को मिल रही थी। वहीं, ईशा मालवीय की जोड़ी एल्विश यादव के संग बनी थी। अब ये देखना मजेदार होगा कि शो में इन दोनों की जगह कौन लेने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार विवियन ने दूसरी सीरिज के लिए इस शो को छोड़ा है। डीएनए की रिपोर्ट के अनुसार चैनल से जुड़े एक सोर्स ने बताया कि विवियन ने कलर्स की एक नई फिक्शन सीरिज के लिए 'लाफ्टर शेफ्स 3' को छोड़ा है। ये सीरीज एक रिएलिटी शो है, लेकिन इसका अंदाज एकदम अलग होगा। रिपोर्ट के अनुसार इस सीरीज के लिए विवियन प्री-प्रोडक्शन मीटिंग्स और वर्कशॉप को अटेंड कर रहे हैं।

करोड़पति फुटबॉलर को डेट कर रही नोरा फतेही?

जानें- कौन है एक्ट्रेस का बॉयफ्रेंड?

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. चर्चा है कि नोरा फतेही को उनके सपनों का राजकुमार मिल गया है। एक्ट्रेस मोरक्कन फुटबॉलर को डेट कर रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही इंटरनेट पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि वो मोरक्को के फुटबॉल स्टार अशरफ हकीमी को डेट कर रही हैं। हालांकि, इस पूरे मामले पर अब तक नोरा और हकीमी दोनों की चुप्पी बनी हुई है, लेकिन अटकलें बढ़ती ही जा रही हैं। दरअसल ये सारा मामला तब चर्चा में आया जब हाल ही में नोरा फतेही मोरक्को के दौरे पर थीं। उन्होंने वहां अफ्रीका कप ऑफ नेशंस का एक मैच स्टेडियम में बैठकर देखा। जैसे ही उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मोरक्को टीम की जीत का जश्न मनाते हुए पोस्ट डालीं, इसके बाद से ही फैंस के बीच अटकलें बढ़ने लगीं। इसके बाद चर्चाएं तब तेज हो गई जब रेडिट यूजर्स ने दावा किया कि अशरफ हकीमी ने नोरा की उस पोस्ट को लाइक किया था। इसी से बातचीत एक नए मोड़ पर पहुंच गई। फिलहाल अब तक नोरा और हकीमी ने इन सवालों पर कोई बयान नहीं दिया है। 27 साल के अशरफ हकीमी दुनिया के टॉप राइट-बैक्स में गिने जाते हैं और फ्रांस की क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (PSG) के लिए खेलते हैं। मैड्रिड में जन्मे हकीमी इंटरनेशनल लेवल पर मोरक्को के लिए खेलते हैं और टीम की कप्तानी भी करते हैं। बता दें, अशरफ हकीमी की पहले स्पेनिश एक्ट्रेस हिबा अबूक से शादी हो चुके हैं। उनका रिश्ता 2020 से 2023 तक चला. उनके दो बच्चे आमीन और नईम हैं। साल 2023 में इस कपल का तलाक हो गया।

'राहु केतु' के निर्माता सूरज सिंह के अनुसार फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे

भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बना रहे बीलाइव प्रोडक्शंस के निर्माता सूरज सिंह, ऐसी कहानियों का समर्थन करते हैं, जो परंपरागत सोच को चुनौती दे, लेकिन साथ ही दर्शकों से भावनात्मक रूप से जुड़ी भी रहे। फिलहाल उनकी आगामी फिल्म 'राहु केतु' उनके इसी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जो एक हाई-कॉन्सेप्ट फैंटेसी ड्रामा होने के बावजूद भव्य कल्पनाशील दुनिया को मानवीय भावनाओं के साथ संतुलित करता है। फिलहाल पारंपरिक पौराणिक फॉर्मूलों पर निर्भर रहने के बजाय, सूरज सिंह एक ऐसी सिनेमैटिक दुनिया गढ़ने पर ध्यान दे रहे हैं, जो नई और पूरी तरह कहानी-केंद्रित हो। यही वजह है कि उन्होंने 'राहु केतु' के ज़रिए दर्शकों को ऐसी भव्यता देने की कोशिश की है, जो कहानी को मनोरंजक बनाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी गहराई से जोड़े। अपने क्रिएटिव दर्शन को साझा करते हुए सूरज सिंह कहते हैं कि उनके लिए हाई-कॉन्सेप्ट सिनेमा का मतलब केवल जटिलता नहीं है। वे कहते हैं, 'फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे, भले ही उसकी दुनिया असली न हो।' उनके अनुसार, दर्शक भले ही थिएटर में विजुअल भव्यता के लिए आते हों, लेकिन वे फिल्म से जुड़े रहते हैं उसकी भावनाओं की वजह से। वह मानते हैं कि हाई-कॉन्सेप्ट स्टोरीटेलिंग में दर्शकों को डर, प्यार, उम्मीद या संघर्ष जैसी जानी-पहचानी भावनाओं का अनुभव होना चाहिए, चाहे कहानी किसी भी काल्पनिक परिवेश में क्यों न रची गई हो। यही संतुलन फिल्मों को यादगार बनाता है और उन्हें ओपनिंग वीकेंड से आगे भी दर्शकों के दिलों में बनाए रखता है। बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'राहु केतु' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। सूरज सिंह बीलाइव प्रोडक्शंस की प्रमुख शक्ति हैं और बालाजी टेलीफिल्म्स में टीवी, फिल्म्स और इंटरनेशनल बिज़नेस डिविज़न का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में बीलाइव प्रोडक्शंस ने काजोल, विशाल जेठवा, राजीव खंडेलवाल और आमिर खान अभिनीत 'सलाम वेंकी' जैसी सराही गई फिल्म का निर्माण किया है, जिसका निर्देशन रेवती ने किया था।

पति ने गिफ्ट में दिया तलाक का नोटिस
बच्चों से कर दिया दूर.. सेलिना जेटली ने बयां किए दर्द

अभिनेत्री सेलिना जेटली इस वक्त बुरे दौर से गुजर रही हैं। अपने दर्द को बयां करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें पति ने एनिवर्सरी पर ही गिफ्ट में तलाक का नोटिस दे दिया और बच्चों से दूर कर दिया गया। वह पड़ोसियों की मदद से रात 1 बजे ऑस्ट्रिया से बाहर निकली थीं। सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इमोशनल पोस्ट करते हुए अपनी जिंदगी के दर्दनाक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, ' दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से बचने के लिए उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 की रात को ऑस्ट्रिया छोड़ दिया था। इस फैसले के साथ ही उन्हें अपने तीन बच्चों से अलग होना पड़ा, जिससे उनका दिल टूट गया। सेलिना ने लिखा, 'जिस दिन मैंने अपनी इज्जत, अपने बच्चों और अपने भाई की रक्षा के लिए ऑस्ट्रिया छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मैंने अपने बच्चों को खो दिया। यह पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है जो अपमानजनक शादियों से गुजर रहे हैं। वे अकेले नहीं हैं।' सेलिना ने बताया कि रात 1 बजे पड़ोसियों की मदद से वे ऑस्ट्रिया से निकलीं और बहुत कम पैसे के साथ भारत लौटीं। भारत पहुंचकर उन्हें अपने ही घर में प्रवेश के लिए कोर्ट जाना पड़ा। यह प्रॉपर्टी उन्होंने साल 2004 में शादी से पहले खरीदी थी, लेकिन अब उनके पति इसे अपना बता रहे हैं। इस लड़ाई के लिए उन्हें बड़ा लोन भी लेना पड़ा। ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के मौजूदा आदेश के बावजूद, उन्हें अभी तक अपने बच्चों से बात करने की इजाजत नहीं मिली है। अभिनेत्री का कहना है कि बच्चों को उनसे मिलने से बार-बार रोका गया। मीडिया के जरिए चुनिंदा कहानियां दिखाकर बच्चों के साथ उनकी बातचीत में रुकावट डाली गई। उन्हें मां के खिलाफ बातें कहने के लिए ब्रेनवाश किया गया और डराया-धमकाया गया।

संदीपा धर
ने लाल ड्रेस में बढ़ाया ग्लैमर का पारा

अभिनेत्री संदीपा धर जानती हैं कि स्टाइल स्टेटमेंट कैसे बनाया जाता है, और उनकी हालिया अपीयरेंस इस बात का शानदार सबूत है। बोल्ड रेड ड्रेस में नजर आई संदीपा ने ग्लैमर, कॉन्फिडेंस और अट्रैक्शन का ऐसा परफेक्ट मेल पेश किया कि फैशन लवर्स और फैंस दोनों ही प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रेड एन्सेंबल का डेरिंग सिलुएट और स्ट्रैटेजिक कट-आउट्स संदीपा की टोंड फिगर को खूबसूरती से कॉम्प्लीमेंट करते हैं। हाल्टर नेकलाइन उनके कॉलरबोन्स और शोल्डर्स को हाइलाइट करती है, जबकि फिगर-हगिंग फिट उनकी कर्व्स को एलिगेंट और सेंसुअस अंदाज़ में उभारता है। थाई-हाई स्लिट लुक में ड्रामैटिक टच जोड़ता है, जिससे यह आउटफिट सोफिस्टिकेशन और बोल्ड हॉटनेस के बीच बेहतरीन बैलेंस बनाता है। इस लुक को खास बनाती है संदीपा का इसे कैरी करने का अंदाज़। उनका कॉन्फिडेंट पॉश्चर, फ्लुइड पोज़ और सहज ग्रेस इस ड्रेस को सिर्फ फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक पावरफुल स्टाइल स्टेटमेंट बना देते हैं। कंधों पर गिरती सॉफ्ट वेव्स और मिनिमल मेकअप लुक को सटल रखते हुए ड्रेस पर फोकस बनाए रखते हैं, जबकि उनकी ग्लोइंग स्किन और एक्सप्रेसिव आंखें मैग्नेटिक अपील को और बढ़ा देती हैं। विशेष रूप से अक्सर पैशन और पावर का रंग माना जानेवाला लाल रंग ऐसा लग रहा है, जैसे वो ख़ास तौर पर संदीपा धर के लिए ही बना हो। यह शेड उनके कॉम्प्लेक्शन को न सिर्फ खूबसूरती से निखार रहा है, बल्कि उनकी बोल्ड ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी को और भी उभार रहा है, जिससे यह लुक एक साथ फियरी और रिफाइंड नजर आ रहा है। संदीपा धर अपने अपीयरेंस से यह भी साबित कर रही हैं कि सच्चा स्टाइल सिर्फ पहनावे में नहीं, बल्कि उसे निभाने के अंदाज़ में होता है।

(साभार एजेंसी)

'द 50' में धनश्री वर्मा के साथ आने की खबरों पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी, जानिए क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हाल ही में काफी सुर्खियों में हैं. हालांकि इस बार वजह क्रिकेट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी और एक रियलिटी शो से जुड़ी अफवाहें हैं. बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट पोर्टल्स पर यह दावा किया जा रहा था कि चहल जल्द ही एक बड़े रियलिटी शो में नजर आ सकते हैं, जिसमें उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा के साथ उनकी री-यूनियन भी दिखाई जा सकती है.

रियलिटी शो की खबरों पर चहल ने तोड़ी चुप्पी- लगातार बढ़ती अफवाहों के बीच युजवेंद्र चहल ने आखिरकार 13 जनवरी को इन खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी. उन्होंने अपने आधिकारिक बयान के जरिए साफ कर दिया कि वह किसी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनने जा रहे हैं. चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म 'लीगेसी' द्वारा जारी एक बयान शेयर किया, जिसमें इन सभी दावों को गलत बताया गया है.

आखिरी गेंद पर छक्का, पार्ल रॉयल्स को कांटे के मैच में दिलाई जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने मंगलवार शाम बोलैंड पार्क में आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर पार्ल रॉयल्स को छह विकेट से यादगार जीत दिलाते हुए घरेलू दर्शकों के दिलों में अपनी जगह और पुख्ता कर ली। डेविड वीजे के अंतिम ओवर में रॉयल्स को जीत के लिए छह रन चाहिए थे। समीकरण आखिरी गेंद पर दो रन का रह गया और दबाव के इस अहम एसए20 पल में रजा ने संयम दिखाते हुए छक्का लगाकर रॉयल्स के खेमे में जश्न की लहर दौड़ा दी।

सिकंदर रजा का कमाल- इस जीत के साथ ही पार्ल रॉयल्स ने बोलैंड पार्क पर अब तक का सबसे बड़ा सफल रन चेज भी पूरा किया, जब डरबन सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 186/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। रजा 13 गेंदों पर 27 रन बनाकर नाबाद रहे (2 चौके, 2 छक्के), लेकिन इस रोमांचक मुकाबले में रॉयल्स के लिए कई नायक रहे। रूबिन हर्मन ने 45 गेंदों पर नाबाद 65 रन (3 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि डैन लॉरेंस ने 41 गेंदों पर 63 रन (2 चौके, 4 छक्के) की अहम पारी खेली और लक्ष्य का पीछा जिंदा रखा। तीसरे विकेट के लिए हर्मन और लॉरेंस के बीच 61 गेंदों में 106 रनों की साझेदारी निर्णायक साबित हुई। लॉरेंस खास तौर पर सुपर जायंट्स के स्पिनरों पर भारी पड़े। उन्होंने साइमन हार्मर को छक्का जड़ा और लियाम लिविंगस्टोन की गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर पारी को तेज रफ्तार दी।

इसके उलट, रॉयल्स के अफगानिस्तान के रहस्यमयी स्पिनर मुजीब उर रहमान ने सुपर जायंट्स की दमदार बल्लेबाजी के बीच किफायती गेंदबाजी करते हुए 2/22 के आंकड़े दर्ज किए।

प्लेयर ऑफ द मैच के लिए चार दावेदार-रूबिन हर्मन, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन और एडन मार्करम-थे, जिनमें हर्मन ने 45 प्रतिशत फैन वोट हासिल कर यह पुरस्कार जीता।

हरमनप्रीत यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं

ये हैं डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार (14 जनवरी) को बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह लीग के इतिहास में 1000 रन बनाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। ओवरऑल नट साइवर-ब्रंट के बाद दूसरी खिलाड़ी बनीं। हरमनप्रीत ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ 193 रनों का टारगेट चेज करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 36 साल की इस खिलाड़ी ने 43 गेंदों में 71 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेलकर मुंबई इंडियंस को सात विकेट से जीत दिलाई। यूपी वॉरियर्स की कप्तान मेग लेनिंग भी 1000 रन पूरा करने के करीब हैं। एलिस पेरी के भी 950 से ज्यादा रन हैं, लेकिन वह इस साल लीग का हिस्सा नहीं हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो शैफाली वर्मा ने 887 रन बनाए हैं। स्मृति मंधाना ने 711 रन बनाए हैं।

ठंड, गंदगी और अस्वस्थ माहौल, इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर फिर भड़कीं मिया ब्लिचफेल्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए हैं। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर भारत में आयोजित इंडिया ओपन सुपर 750 के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नए वेन्यू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट होने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माहौल

ब्लिचफेल्ट ने कहा कि स्टेडियम में हालात गंदे और अस्वस्थ हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल भी पेशेवर नहीं कहे जा सकते। उनके मुताबिक, अत्यधिक ठंड के कारण खिलाड़ी दो-दो लेयर के कपड़े, जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनकर वार्म-अप करने को मजबूर हैं।

वार्म-अप में आ रही दिक्कत- उन्होंने बताया कि इतनी ठंड में सही तरीके से वार्म-अप करना मुश्किल हो जाता है, जबकि खिलाड़ियों को कोर्ट पर तेज मूवमेंट और स्प्लिट्स जैसे कठिन मूव्स करने होते हैं। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि यह एलिट खिलाड़ियों की तैयारी के लिए बिल्कुल सही माहौल नहीं है।

पिछले साल जैसी ही शिकायत- मिया ने साफ कहा कि उन्होंने पिछले साल केडी जाधव हॉल में भी इसी तरह की शिकायतें की थीं और इस साल भी स्थिति लगभग वैसी ही है।

उन्होंने बताया कि वार्म-अप कोर्ट में पक्षी उड़ते नजर आए और कोर्ट पर गंदगी भी थी, जो बेहद अस्वस्थ स्थिति को दर्शाता है।

जितेश शर्मा ने फोड़ा बम

टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के ऐलान तक नहीं थी निकाले जाने की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में टी20 सीरीज समाप्त होने के एक दिन बाद जब उन्हें 15-सदस्यीय टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम में नहीं चुना गया तो उनका दिल टूट गया। उन्हें टीम के ऐलान के बाद पता चला कि वह नहीं चुने गए हैं। 32 साल के जितेश ने सितंबर 2025 में एशिया कप के दौरान भारत की टी20 टीम में वापसी की। हालांकि, वह टूर्नामेंट के दौरान संजू सैमसन के बैकअप रहे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मिडिल ऑर्डर में संजू के खराब प्रदर्शन के बाद जितेश को मौका मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिनिशर ने इसके बाद लगातार सात मैच खेले। इसमें अहमदाबाद में भारत का आखिरी टी20 भी शामिल था। इसके एक दिन बाद वह टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई टीम में नहीं थे। भारत ने जितेश और उपकप्तान शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया और फिनिशर रिंकू सिंह के साथ बैकअप ओपनर और विकेटकीपर के तौर पर इशान किशन को मौका दिया।

चयनकर्ताओं से सहमत जितेश

बातचीत में जितेश ने कहा, 'जब तक टीम की घोषणा नहीं हुई, मुझे अपने बाहर होने के बारे में पता नहीं था। उसके बाद मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चयनकर्ताओं द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण से सहमति जताई। वह एक सही वजह थी। बाद में, मेरी कोच और चयनकर्ताओं से बात हुई और मुझे लगा कि उनकी वजह सही थी। वे मुझे जो समझाना चाहते थे, वह मैं समझ गया और मैं उससे सहमत था।

कार्तिक से बात करके धक्के से उबरे- जितेश ने कहा कि परिवार और आरसीबी के बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक से बात करने के बाद वह उस निराशा से उबर गए। उन्होंने कहा, 'यह दिल तोड़ने वाला था, क्योंकि मैंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए बहुत मेहनत की थी। लेकिन किस्मत को यही मंजूर है, मैं कुछ नहीं कर सकता। उस समय मैं सुन्न हो गया था और कुछ समझ नहीं पा रहा था। परिवार के साथ समय बिताने और दिनेश कार्तिक से बात करने से मुझे आगे बढ़ने में मदद मिली।'

पाकिस्तान मूल के अमेरिकी क्रिकेटर को भारत का वीजा क्यों नहीं मिला?

नई दिल्ली, एजेंसी। ह्रष्टपुष्ट टी20 वर्ल्ड कप 2026 से कुछ ही हफ्ते पहले अमेरिका की टीम को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान ने सोशल मीडिया के जरिए खुलासा किया कि उनका भारत वीजा खारिज कर दिया गया है। इस फैसले ने टूर्नामेंट की तैयारियों, खिलाड़ी उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं—खासकर तब, जब अमेरिका को टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला भारत के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 7 फरवरी को खेलना है।

अमेरिका के अभियान पर क्यों मंडराया संकट?

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अमेरिका अपने ग्रुप के चार में से तीन मैच भारत में खेलेगा। ऐसे में अली खान का वीजा न मिलना टीम के संतुलन और योजना पर सीधा असर डाल सकता है। भारत के खिलाफ हाई-प्रोफाइल ओपनर से ठीक पहले यह अनिश्चितता अमेरिका के लिए बेहद संवेदनशील समय पर आई है।

भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका को राष्ट्रपति भवन से गणतंत्र दिवस का निमंत्रण

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका को इस साल नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। डाक विभाग के अधिकारियों ने आंध्र

प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के अमरापुरम मंडल में दीपिका के पैतृक गांव तंबलाहट्टी का दौरा किया और उन्हें निमंत्रण पत्र सौंपा। दीपिका ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रपति से निमंत्रण मिलना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में व्यक्तिगत रूप से शामिल होना एक यादगार अनुभव होगा। उन्होंने इसे बहुत सम्मान की बात बताया।

PGTI के '72 द लीग के विजेताओं को मिलेगी द जेंटलमैन जैकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पहली एक्सक्लूसिव नेशनल प्रोफेशनल गोल्फ लीग, '72 द लीग', का मकसद भारतीय गोल्फरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच देना है, और विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो अनुशासन और शांत सटीकता का एक खास प्रतीक है। यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (गोल्स) के साथ पार्टनरशिप में लॉन्च की गई है और 21 फरवरी को शुरू होगी, जिसका फाइनल 6 मार्च को होगा।

पहला सीजन दिल्ली एनसीआर के तीन सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ वेन्यू - क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब, जेपी ग्रीन्स और कुतुब गोल्फ कोर्स में होगा। लीग में विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को शांतनु निखिल द्वारा डिज़ाइन किया गया एक्सक्लूसिव जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो '72 द लीग' के ऑफिशियल फैशन पार्टनर बने हैं। लीग की छह शहर-आधारित फ्रेंचाइजी के मालिकों और जीतने वाली टीम के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया, द जेंटलमैन जैकेट नेवी स्पोर्टिंग ब्लेजर को शांतनु निखिल के सिग्नेचर स्ट्रक्चर और सहजता के नजरिए से फिर से डिज़ाइन करता है। एक साफ सिंगल-ब्रेस्टेड सिल्हूट में कटा हुआ, इसमें लैपल, जेब और हेम के साथ कुरकुरी सफेद पाइपिंग है, जो पारंपरिक स्पोर्टिंग यूनिफॉर्म की याद दिलाता है, जिसे इसके एग्जीक्यूशन में और भी शार्प और मॉडर्न बनाया गया है। लीग में शहर-आधारित फ्रेंचाइजी होंगी, जिनमें से प्रत्येक में 10 प्रोफेशनल खिलाड़ी होंगे, जिन्हें एक पारदर्शी प्लेयर नीलामी के माध्यम से चुना जाएगा।

पीजीटीआई सर्किट के प्रमुख गोल्फर इसमें हिस्सा लेंगे, जिससे भारतीय प्रोफेशनल गोल्फ के इतिहास में सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी मंचों में से एक बनेगा। पाटर्नरशिप पर बोलते हुए शांतनु निखिल ने कहा, 'हम हमेशा एक ऐसा जैकेट डिज़ाइन करना चाहते थे जो गोल्फ के खेल का प्रतिनिधित्व करे, जिसमें हमेशा एक खास गंभीरता रही है और जो सटीकता और अनुशासन से आकार लेता है। भारत में गोल्फ में एक नई ऊर्जा है और 72 द लीग उस पल को पहचानता है, जो प्रोफेशनल गोल्फ को उसके मूल को खोए बिना एक अधिक मॉडर्न जगह में लाता है। द जेंटलमैन जैकेट उस संगम पर बिल्कुल फिट बैठती है।' द जेंटलमैन जैकेट की जेब पर एक कस्टम 72 प्रतीक बैज लगा है, जिसके साथ एक सिग्नेचर शांतनु निखिल टेप डिटेल है जो एक सूक्ष्म एथलेटिक टच देता है। अंदर से, जैकेट को एक कस्टमाइज्ड लाइनिंग के साथ फिनिश किया गया है जिसमें इलस्ट्रेटेड गोल्फर बने हैं, जो इस खेल की लय को एक शांत श्रद्धांजलि है, जहां सटीकता हर स्ट्रोक को परिभाषित करती है। गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स के को-फाउंडर, सामंत सिक्का ने कहा, '72 द लीग के लिए शांतनु निखिल की शानदार जोड़ी से बेहतर पार्टनर हम नहीं मांग सकते थे। द जेंटलमैन जैकेट स्पोर्ट्स जैकेट पर एक इनोवेटिव और बोल्ड नया रूप है और यह हमारी लीग की भावना को पूरी तरह से दिखाता है। यह सिर्फ एक जैकेट से कहीं ज़्यादा है - हम इसे विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में देखते हैं।' 72 द लीग में एक तेज़-तरार, हाई-इम्पैक्ट मैच-प्ले फॉर्मेट होगा, जिसे खास तौर पर टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए डिज़ाइन किया गया है। फैंस प्रो-एम इवेंट्स, इमर्सिव फैन जोन, लाइव एंटरटेनमेंट, एक्सक्लूसिव बिहाइंड-द-सीन्स डिजिटल कंटेंट, और प्रीमियम ब्रॉडकास्ट प्रोडक्शन का इंतज़ार कर सकते हैं - जो प्रोफेशनल गोल्फ के रोमांच को दर्शकों के पहले से कहीं ज़्यादा करीब लाएगा।

नार्वे शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार ओस्लो में किया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन तेरह वर्षों तक स्टावांगर में होने के बाद पहली बार ओस्लो में किया जाएगा। यह इस टूर्नामेंट का 14वां और नॉर्वे महिला शतरंज का तीसरा संस्करण होगा, जो 25 मई से शुरू होकर 5 जून तक चलेगा। विश्व नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा तथा अलीरेजा फ़िरौजा सहित कई अन्य खिलाड़ियों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। महिला खिलाड़ियों में जू वेनजुन, अन्ना मुजिचुक और हम्पी कोनेरू शामिल हैं।

हम अपनी कोशिश के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कह सकते

गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने एमआई के खिलाफ छूटे कैचों पर कहा

नवी मुंबई, एजेंसी। गुजरात जायंट्स के हेड कोच माइकल क्लिंगर ने माना कि फील्डिंग में बार-बार गलतियों की वजह से उनकी टीम को भारी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार के बावजूद टीम का ओवरऑल कमिटमेंट और तैयारी मजबूत है। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, उनकी खराब फील्डिंग ने टूर्नामेंट में पहले दिखाए गए अच्छे प्रदर्शन पर पानी फेर दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को तीन बार ड्रॉप किया गया, और कई मिसफील्ड और ओवरथ्रो ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो उनके पहले दो मैचों में सेट किए गए शानदार स्टैंडर्ड से बिल्कुल अलग था।

प्रदर्शन पर बात करते हुए, क्लिंगर ने कहा कि जायंट्स ज्यादातर पारी में काफी सॉलिड थे, लेकिन आखिर में चीजें बिगड़ गईं।

क्लिंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। और शायद पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की और फिर आखिरी पांच-छह ओवरों में वे सभी कैच छूट गए।

जिस खेल को लोग समझते हैं मामूली, उसी ने बदली अक्षय पाटिल की जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी। जब खेतों में हल चलाने वाले हाथ रस्सी थामकर देश का नाम रोशन करें, तो समझिए कि किस्मत भी मेहनत के आगे झुक जाती है। सुबह की पहली किरण जब खेतों पर पड़ती है, तब मिट्टी से उठती सौंधी खुशबू में पसीने की महक भी घुली होती है। यही पसीना किसी दिन खेल मैदान में ताकत बन जाता है और वही ताकत किसी परिवार की किस्मत बदल देती है। बर्फ बेचने वाले के बेटे ने जीता गोल्ड मेडलः भाई को खोया, पिता का सहारा बने; हर युवा को प्रेरित करेगी राजा दास की संघर्षगाथा कोल्हापुर के एक छोटे से गांव में जन्में अक्षय पाटिल की कहानी कुछ ऐसी ही है। जहां गरीबी, जिम्मेदारियां और हालात एक साथ खड़े थे, लेकिन उनके सामने खड़ा था एक मजबूत इरादा। जिस रस्साकशी को लोग आज भी गांव-मेले का मामूली खेल समझते हैं, उसी खेल ने अक्षय पाटिल को पहचान दी, रोजगार दिया और अपने परिवार को सम्मान की जिंदगी देने का अवसर दिया।

गांव के अखाड़े से राष्ट्रीय मंच तक

गांव में रस्साकशी कोई नई चीज नहीं थी। मेलों में, त्योहारों में, प्रतियोगिताओं में यह खेल हमेशा लोगों का मनोरंजन करता रहा है, लेकिन अक्षय ने इसे मनोरंजन से आगे बढ़ाकर लक्ष्य बना लिया। सुबह खेतों में काम, दोपहर को स्कूल और शाम को अभ्यास, यही उनकी दिनचर्या बन गई।

ट्रंप की कार्रवाईयां अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगी: बैंकों के सीईओ

हमें बॉन्ड बाजार की नींव को हिलाना नहीं चाहिए : रॉबिन विंस

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नीतियों को लेकर बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) ने व्हाइट हाउस को मंगलवार को आगाह किया और कहा कि ये कार्रवाईयां अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में वन बिग ब्यूटीफुल बिल पर हस्ताक्षर करके इसे कानून का रूप दिया था। तब इस विधेयक ने कर कटौती के एक और महत्वपूर्ण दौर को आगे बढ़ाया और साथ ही उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो के बजट में भी लगभग आधी कटौती की गई जो कई बार बैंकिंग उद्योग का कट्टर दुश्मन रहा है। ट्रंप के नेतृत्व में बैंक नियामकों ने भी एक विनियमन-मुक्ति एजेंडा को आगे बढ़ाया है जिसे बैंकों और बड़ी कंपनियों दोनों ने अपनाया है।

हालांकि अब अचानक इन संबंधों में खटास आ गई है क्योंकि राष्ट्रपति ने क्रेडिट कार्ड पर ब्याज दर पर एक साल के लिए 10 प्रतिशत की सीमा लगाने का प्रस्ताव रखा है जिसके बारे में कई लोगों का कहना है कि यह उस संस्था के लिए खतरा है जिसे राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर ब्याज दरें निर्धारित करनी चाहिए। बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस को मंगलवार को आगाह किया कि ट्रंप की कार्वाइयां अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगी। बीएनवाई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रॉबिन विंस ने पत्रकारों से कहा कि फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर सवाल उठाना हमें ऐसा नहीं लगता कि प्रशासन के उन प्राथमिक उद्देश्यों को पूरा कर रहा है जो सामर्थ्य, उधार लेने की लागत को कम करने, उधारी ऋण की लागत को कम करने और अमेरिकियों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी की लागत को कम करने जैसे मुद्दों से संबंधित हैं। विंस ने कहा, हमें बॉन्ड बाजार की नींव को हिलाना नहीं चाहिए और ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे ब्याज दरें वास्तव में बढ़ जाएं, क्योंकि किसी तरह फेड की स्वतंत्रता में विश्वास की कमी है। बड़े बैंकों के बीच फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। हालांकि बैंक चाहते होंगे कि पॉवेल और फेड के अन्य नीति निर्माता ब्याज दरों में तेजी से बदलाव करें लेकिन वे आम तौर पर समझते हैं कि पॉवेल ने ऐसा क्यों किया है। जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ जेमी डिमोन ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, मैं फेडरल रिजर्व द्वारा किए गए सभी कार्यों से सहमत नहीं हूं लेकिन जे पॉवेल के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है। फेडरल रिजर्व पर हमलों के साथ-साथ राष्ट्रपति ट्रंप क्रेडिट कार्ड उद्योग को भी निशाना बना रहे हैं। इस साल के मध्यावधि चुनावों में किफायती लागत एक अहम मुद्दा होने की संभावना को देखते हुए ट्रंप, उपभोक्ताओं के लिए लागत कम करना चाहते हैं और उनका कहना है कि वे 20 जनवरी तक क्रेडिट कार्ड ब्याज दरों पर 10 प्रतिशत की सीमा लागू करना चाहते हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस, जेपी मॉर्गन, सिटीग्रुप, कैपिटल वन और अन्य क्रेडिट कार्ड कंपनियों के शेयर में सोमवार को भारी गिरावट आई क्योंकि निवेशकों को इस बात की चिंता थी कि यदि ब्याज दर पर सीमा लागू की जाती है तो इन बैंकों के मुनाफे पर संभावित रूप से क्या असर पड़ सकता है। जेपी मॉर्गन के मुख्य वित्तीय अधिकारी जेफरी बार्नम ने पत्रकारों से बातचीत में संकेत दिया कि उद्योग, ट्रंप प्रशासन को उन दरों पर सीमा लगाने से रोकने के लिए अपने पास मौजूद सभी संसाधनों के साथ लड़ने को तैयार है। जेपी मॉर्गन ने हाल ही में गोल्डमैन सैक्स से एप्पल कार्ड क्रेडिट कार्ड खंड का अधिग्रहण किया है। डेल्टा एयर लाइन्स के सीईओ एड बैस्टियन ने मंगलवार को विश्लेषकों से कहा, मुझे लगता है कि (संभावित सीमा) के साथ एक बड़ा मुद्दा और चुनौती यह है कि यह वास्तव में निम्न वर्ग के उपभोक्ता को किसी भी प्रकार के क्रेडिट तक पहुंच से प्रतिबंधित कर देगा, न कि केवल उनके द्वारा भुगतान की जा रही ब्याज दर को, जिससे पूरा क्रेडिट कार्ड उद्योग उलट जाएगा। डेल्टा की अमेरिकन एक्सप्रेस के साथ एक बड़ी साझेदारी है और इसका को-ब्रांड क्रेडिट कार्ड डेल्टा के लिए अरबों डॉलर का राजस्व लाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने रातोंरात क्रेडिट कार्ड उद्योग पर अपने हमलों को और तेज कर दिया है।

बड़े बैंकों के बीच फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता सर्वोपरि

इराक जैसे पड़ोसी देशों के साथ क्षेत्रीय नेटवर्कों ने भी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने में मदद की

ईरान में सैन्य कार्रवाई वॉशिंगटन के लिए महंगी भी साबित हो सकती है

» लंदन, भाषा।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य कदम पर विचार कर रहे हैं, लेकिन ऐसे किसी भी कदम के वॉशिंगटन के लिए उलटे परिणाम भी हो सकते हैं। ट्रंप ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनके सामने क्या विकल्प हैं। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के साथ युद्ध से बचने के इच्छुक ईरानी अधिकारियों ने उनसे वार्ता के लिए फोन किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि घातक कार्रवाई जारी रहती है तो अमेरिका को बैठक से पहले कदम उठाना पड़ सकता है। यदि वॉशिंगटन हस्तक्षेप का फैसला करता है, तो उसके पास कूटनीतिक निंदा और प्रतिबंधों के दायरे के विस्तार से लेकर साइबर अभियानों और सैन्य हमलों तक कई विकल्प हैं।

लेकिन इतिहास अमेरिका सरकार के समक्ष मौजूद हर विकल्प के खिलाफ चेतावनी देता है। ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों पर हाल में लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क सहित लक्षित प्रतिबंध और कूटनीतिक दबाव सबसे कम उकसाने वाले उपाय माने जाते हैं। ये अमेरिका को सहयोगियों के साथ तालमेल और प्रदर्शनकारियों को सीधे टकराव का संकेत दिए बिना नैतिक समर्थन देने का अवसर देते हैं, लेकिन दशकों का अनुभव बताता है कि इनका प्रभाव सीमित रहा है। ईरान के नेतृत्व ने आर्थिक दबाव का सामना करने और इसकी लागत समाज पर डालने की रणनीति विकसित कर ली है। वैकल्पिक बाजारों, अनौपचारिक और गैर-डॉलर व्यापार के जरिए ईरान की सरकार ने खुद को समय के साथ ढाला है। इराक जैसे पड़ोसी देशों के साथ क्षेत्रीय नेटवर्कों ने भी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने में मदद की है। वॉशिंगटन के पास साइबर व्यवधान, स्वतंत्र मीडिया की सहायता और इंटरनेट बंदी को दरकिनार करने में प्रदर्शनकारियों की मदद जैसे गुप्त उपायों के विकल्प भी हैं। सबसे चरम विकल्प सैन्य हमले हैं। हालांकि इनका उद्देश्य दमन को कमजोर करना बताया जाता है, लेकिन इससे उलटा असर पड़ने की आशंका है। ईरान की शासक व्यवस्था, खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बाहरी खतरों का इस्तेमाल घरेलू समर्थन जुटाने के लिए किया है। किसी भी अमेरिकी हमले से राष्ट्रीय अस्तित्व की लड़ाई की बात मजबूत होगी। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर घालीबाफ ने चेतावनी दी है कि हमले की स्थिति में इजराइल और क्षेत्र में सभी अमेरिकी ठिकाने और संपत्तियां वैध लक्ष्य होंगे।

ईरान: मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हुई, प्रधान न्यायाधीश ने मुकदमे चलाने और फांसी के संकेत दिए

» दुबई, भाषा।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा का संकेत दिया है। वहीं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कहा कि मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हो गई है। ईरान के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने मंगलवार को एक वीडियो में, मुकदमे चलाए जाने और फांसी की सजा के बारे में टिप्पणी की।

हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मृत्युदंड दिए जाने की स्थिति में वह बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे। इस बीच, अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि बुधवार सुबह तक मृतकों की संख्या बढ़कर 2,571 हो गई थी। यह आंकड़ा दशकों में ईरान में हुए किसी भी विरोध प्रदर्शन या अशांति में हुई मौतों की संख्या से कहीं अधिक है और देश की 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाता है। मृतकों की संख्या की जानकारी मिलने के बाद, ट्रंप ने ईरान के नेताओं को चेतावनी दी कि वह किसी भी प्रकार की बातचीत समाप्त कर रहे हैं और कार्रवाई करेंगे। ईरान के प्रधान न्यायाधीश एजेई ने कहा, अगर हमें कोई काम करना है, तो हमें उसे अभी करना चाहिए। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे जल्दी करना होगा। उन्होंने कहा, अगर इसमें दो महीने या तीन महीने की देरी होती है तो इसका उतना असर नहीं पड़ेगा। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे तुरंत करना होगा। पाकिस्तान के एक आब्रजन अधिकारी ने बुधवार को बताया कि ईरान में अध्ययन कर रहे दर्जनों पाकिस्तानी छात्र दक्षिण-पश्चिमी सीमा के एक दूरस्थ रास्ते से अपने घर लौट आए हैं।

ईरान में स्टारलिंक प्रदान कर रहा है मुफ्त इंटरनेट सेवा, संचार के अन्य माध्यम बंद

दुबई, भाषा। उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाता स्टारलिंक अब ईरान में मुफ्त इंटरनेट सेवा प्रदान कर रहा है। अमेरिका के मानवाधिकार संगठन के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस में मौजूद एक कार्यकर्ता मेहदी याह्यानेजाद ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि मुफ्त इंटरनेट सेवा शुरू हो गई है। अन्य कार्यकर्ताओं ने भी ऑनलाइन संदेशों के माध्यम से पुष्टि की कि यह सेवा मुफ्त है। याह्यानेजाद ने एक बयान में कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि स्टारलिंक की मुफ्त सेवा पूरी तरह से काम कर रही है। हमने ईरान के अंदर हाल में सक्रिय किए गए स्टारलिंक टर्मिनल का उपयोग करके इसका परीक्षण किया। गत बृहस्पतिवार रात को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन बढ़ने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई शुरू होने के बाद से अधिकारियों ने इंटरनेट बंद कर दिया था जिसके बाद ईरानियों के लिए बाहरी दुनिया से संवाद करने का एकमात्र तरीका स्टारलिंक ही रहा है।

ट्रंप ने साल की शुरुआत में ही दिखा दिए आक्रामक तेवर, समर्थक भी हुए खफा

न्यूयॉर्क, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के शुरुआती दो हफ्तों में ही अपने तेवरों से सबको हैरान कर दिया है। एक ओर जहां वह वेनेजुएला पर अपना नियंत्रण जताने लगे हैं तो दूसरी ओर उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की भी धमकी दी है। इसके अलावा वह आप्रवासियों के खिलाफ भी कठोर कदम उठा रहे हैं। वह देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम माने जाने वाले फेडरल रिजर्व को भी अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं, जिसके प्रमुख से उनका टकराव भी सामने आया है। ट्रंप जिस तरह से एक के बाद एक बड़े फैसले लेकर खलबली मचा रहे हैं, वह बहुत चौंकाने वाला है। इसी बीच आने वाले मध्यावधि चुनाव में मतदाता उनके नेतृत्व पर अपना फैसला देने वाले हैं। ट्रंप के हर फैसले में बड़े जोखिम हैं चाहे वह विदेश में युद्ध में दाखिल होने का खतरा हो या देश की वित्तीय व्यवस्था को नुकसान पहुंचने का डर। लेकिन ट्रंप पूरी आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिसकी वजह से रिपब्लिकन पार्टी के उनके कुछ सहयोगी भी घबराए हुए हैं। एल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और इतिहासकार जोआन बी. फ्रीमैन कहती हैं, राष्ट्रपति कार्यालय बेकाबू हो गया है। हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। ट्रंप संभावित विरोध या मुश्किलों की परवाह नहीं कर रहे। मंगलवार को डेट्रॉयट में ट्रंप ने कहा, फिलहाल मुझे काफी अच्छा लग रहा है। उनका भाषण मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने के लिए था और उन्होंने दावा किया कि महंगाई को लेकर चिंताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। लेकिन वह फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल पर निशाना साधना भी नहीं भूले, जिन्होंने ट्रंप के दबाव के बावजूद ब्याज दरें नहीं घटाई। ट्रंप ने कहा, इस झक्की व्यक्ति की जल्द ही छुट्टी हो जाएगी। रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान ज़्यादातर समय उनका समर्थन किया। लेकिन इस हफ्ते दरार के संकेत मिलने लगे जब पॉवेल ने रविवार को बताया कि फेडरल रिजर्व की इमारत की मरम्मत के बारे में उनके बयान को लेकर केंद्रीय बैंक आपराधिक जांच का सामना कर रहा है। पिछले साल भी न्याय विभाग ने ट्रंप के विरोधियों को निशाना बनाते हुए उनके खिलाफ कई मामलों की जांच शुरू कर दी थी, जिनमें पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी, न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन के खिलाफ की गई जांच शामिल है। लेकिन देश की मौद्रिक नीति तय करने में मदद करने वाले पॉवेल के खिलाफ कदम उठाना कुछ नेताओं के लिए हद पार करने जैसा है।

न्यूज ब्रीफ

माली में नौका दुर्घटना में 38 लोगों की मौत

» बमाको (माली), भाषा।

उत्तरी माली के टिम्बकटू क्षेत्र में नाइजर नदी में एक नौका के चट्टानों से टकराकर डूबने से 38 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों और मृतकों के परिजनों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह दुर्घटना दिरे कस्बे में हुई। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की आधिकारिक संख्या जारी नहीं की है, लेकिन क्षेत्रीय निवासी और नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष अल्काइदी टूरे ने मंगलवार को बताया कि 38 लोग मारे गए और 23 लोग सुरक्षित किनारे पर पहुंच गए। डिरे निवासी मूसा अग अलमौबारेक ट्राओरे ने कहा कि उन्होंने इस दुर्घटना में अपने परिवार के 21 सदस्यों को खो दिया और उन्होंने शवों को निकालने और गिनती करने में स्थानीय अधिकारियों की मदद की।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव में वे परिवार और किसान सवार थे जिन्होंने अभी-अभी धान की कटाई की थी। इस नौका को सुबह पहुंचना था क्योंकि रात में सुरक्षा उपायों के कारण नावों का बंदरगाह में प्रवेश प्रतिबंधित है। यह रोक अल कायदा से जुड़े आतंकवादियों के हमलों को रोकने के उद्देश्य से लगाई गई है। ट्राओरे ने कहा कि नाव चालक सुबह तक इंतजार नहीं करना चाहता था और उसने किसी दूसरे स्थान से किनारे आने की कोशिश की, जहां नाव चट्टानों से टकराकर डूब गई। माली की आबादी करीब 2.5 करोड़ है और वह पड़ोसी देश बुर्किना फासो और नाइजर के साथ मिलकर कई दशकों से जिहादी आतंकवादियों से लड़ रहा है। अल-कायदा समर्थित जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) समूह के आतंकवादी माली के टिम्बकटू क्षेत्र में सक्रिय हैं।

श्रीलंका में तमिलों के खिलाफ संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा का मुद्दा अब भी अनसुलझा है

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका में दशकों तक चले गृहयुद्ध के दौरान तमिल नागरिकों के खिलाफ मुख्य रूप से सुरक्षा बलों द्वारा की गई यौन हिंसा का मुद्दा आज भी अनसुलझा है और युद्ध समाप्त होने के 17 साल बाद भी पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। हमने सब कुछ खो दिया - न्याय की उम्मीद भी शीर्षक वाली यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा एक दशक तक निगरानी और रिपोर्टिंग, पीड़ितों, लिंग आधारित हिंसा पर स्थानीय विशेषज्ञों, नागरिक समाज और अन्य लोगों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई है।

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) ने द्वीपीय राष्ट्र के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए लगभग 30 वर्षों तक सैन्य अभियान चलाया, लेकिन वर्ष 2009 में श्रीलंका की सेना द्वारा उसके सर्वोच्च नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरन को मार डालने के बाद एलटीटीई का पतन हो गया।

ईरान में हमारे कर्मचारी सुरक्षित हैं : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र मॉस्को, भाषा। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा है कि ईरान में मौजूद संयुक्त राष्ट्र के 500 से अधिक कर्मचारी सुरक्षित हैं और सभी का पता लगा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि देशभर में फैली अशांति और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत के चलते कई कर्मचारी घर से ही काम कर रहे हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र की टीम में 46 विदेशी और 448 स्थानीय कर्मचारी शामिल हैं। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव और वहां की संसद के पूर्व अध्यक्ष अली लारजियानी ने देश में हिंसक प्रदर्शनों में दखलंदाजी करने की ट्रंप की ताजा धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए मंगलवार को कहा कि ईरानी नागरिकों की मौत के जिम्मेदार अमेरिका और इजराइल होंगे। इस बीच, रूस के विदेश मंत्रालय ने ईरान पर हमले की अमेरिका की धमकी को स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य बताया।

ट्रंप की चेतावनी के बावजूद ईरान की न्यायपालिका के तेवर प्रदर्शनकारियों को लेकर सख्त

दुबई, भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बावजूद ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख ने बुधवार को संकेत दिया कि देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के मामलों की त्वरित सुनवाई होगी और मौत की सजा की तामील होगी। ईरान के न्यायपालिका के प्रमुख गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने यह टिप्पणी एक वीडियो में की जिसे ईरानी सरकारी टेलीविजन ने ऑनलाइन साझा किया। मोहसेनी-एजेई ने कहा, अगर हमें कोई काम करना है, तो हमें उसे अभी करना चाहिए। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे जल्दी करना होगा। उन्होंने कहा, अगर इसमें दो महीने या तीन महीने की देरी होती है तो इसका उतना असर नहीं पड़ेगा। अगर हम कुछ करना चाहते हैं, तो हमें उसे तुरंत करना होगा।

अमेरिका में अंधेरे का दौर , मेरी किताब लोगों को जुड़ने के लिए करेगी प्रेरित: पद्मा लक्ष्मी

» न्यूयॉर्क, भाषा।

भारतीय-अमेरिकी टेलीविजन हस्ती और पाक कला विशेषज्ञ पद्मा लक्ष्मी ने कहा कि अमेरिका में मौजूदा वक्त अंधकारमय है और साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी नई किताब ऐसे समय में अलग-अलग समुदायों के लोगों को एक-दूसरे के प्रति जिज्ञासा जगाने, संवाद करने और जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह दौर शायद और भी अंधकारमय हो जाएगा , फिर अंत में रोशनी की किरण दिखाई देगी। पाक कला पर लक्ष्मी की नवीनतम पुस्तक पद्माज़ ऑल अमेरिकनः टेल्स, ट्रेवल्स, एंड रेसिपीज़ फ्रॉम टेस्ट द नेशन एंड बियॉन्ड अमेरिका की समृद्ध पाक कला और प्रवासी विविधता का संग्रह है।

अमेरिका और दुनिया के अन्य हिस्सों में प्रवासियों के विरोध की बढ़ती भावना के समय में, लक्ष्मी ने आशा व्यक्त की है कि उनकी नई पुस्तक लोगों में अन्य समुदायों के प्रति जिज्ञासा जगाएगी और उन्हें अन्य संस्कृतियों और देशवासियों से जुड़ने तथा संपर्क स्थापित करने में सक्षम बनाएगी। लक्ष्मी ने पिछले महीने यहां एशिया सोसाइटी में द कल्चर ट्री के साथ साझेदारी में आयोजित एक वार्ता के दौरान कहा, हमारा देश इस समय एक बहुत ही अंधकारमय दौर से गुजर रहा है और मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि प्रकाश वापस आने से पहले शायद यह और भी अंधकारमय होगा। यह पूछे जाने पर कि वह अपनी नई किताब से लोगों को क्या सीख देना चाहती हैं, तो लक्ष्मी ने उम्मीद जताई कि यह किताब लोगों को अपने साथी अमेरिकियों, अपने कंबोडियाई अमेरिकियों, पेरू के अमेरिकियों, अपने नाइजीरियाई अमेरिकियों के बारे में अधिक जिज्ञासु बनाएगी। उन्होंने कहा, हम सभी एक बहुत ही विविधतापूर्ण देश में रहते हैं, खासकर न्यूयॉर्क में जहां सड़क के आर-पार रहने वाले लोग अलग-अलग भाषा बोलते हैं, अलग-अलग तरह के भोजन करते हैं, अलग-अलग ईश्वर की पूजा करते हैं और अक्सर इन्हीं भिन्नताओं के कारण हम सड़क के उस पार नहीं जाते, उनसे जान-पहचान नहीं करते। उन्होंने द कल्चर ट्री की संस्थापक और सीईओ अनु सहगल से बातचीत में कहा, मुझे उम्मीद है कि आप लोग सारे प्रोफाइल पढ़ने के लिए समय निकालेंगे क्योंकि मैं कुछ असाधारण लोगों से मिली, आम लोग लेकिन असाधारण कहानियां।

दक्षिण सूडान में तैनात भारतीय महिला शांति सैनिक को संयुक्त राष्ट्र का पुरस्कार

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। दक्षिण सूडान में तैनात एक भारतीय महिला शांति सैनिक को लैंगिक समावेशन पर आधारित एक परियोजना के लिए संयुक्त राष्ट्र का पुरस्कार प्रदान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र दक्षिण सूडान मिशन (यूएनएमआईएसएस) में सेवारत 31 वर्षीय मेजर स्वाति शांति कुमार को उनकी परियोजना इक्वल पार्टनर्स, लास्टिंग पीस में लैंगिक समावेशी दृष्टिकोण के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कुमार को बधाई देते हुए कहा, यूएनएमआईएसएस में अनोखी लैंगिक समावेशी परियोजना का नेतृत्व करने के लिए संरा महासचिव द्वारा पुरस्कृत किए जाने पर बधाई। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने भी कुमार को बधाई देते हुए कहा कि वह अपनी यूएनएमआईएसएस शांति सैनिक पर गर्व महसूस करता है। यूएनएमआईएसएस के दिसंबर में प्रकाशित एक लेख में दक्षिण सूडान में तैनाती के दौरान वहां की महिलाओं से संवाद स्थापित करने के कुमार के प्रयासों को रेखांकित किया गया है।

अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े तो हम डेनमार्क को चुनेंगे : नीलसन

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता ट्रंप के खिलाफ एकजुट हुए

» नुक (ग्रीनलैंड), भाषा।

रणनीतिक रूप से अहम आर्कटिक द्वीप पर कब्जा करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान के खिलाफ डेनमार्क और उसके क्षेत्र ग्रीनलैंड के नेता एकजुट हो गए हैं। हालांकि, इस मुद्दे पर वाशिंगटन में इन देशों के नेताओं के साथ अमेरिका के विदेश मंत्री की बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इस विशाल द्वीप पर कब्जा करने या इसे अलग होने के लिए मजबूर करने का अमेरिकी प्रयास ट्रांस अटलांटिक गठबंधन को तोड़ देगा जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सुरक्षा का एक मुख्य आधार रहा है।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस फ्रेडरिक नीलसन ने अपनी एकजुटता पर जोर देने की कोशिश की। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्जफेल्ड बुधवार को व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस एवं विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ वार्ता की तैयारी करने वाले हैं। कोपेनहेगन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान फ्रेडरिक्सन ने कहा, प्रिय ग्रीनलैंडवासियों आपको यह जानना चाहिए कि हम आज एक साथ खड़े हैं, हम कल भी एक साथ खड़े रहेंगे और आगे भी साथ रहेंगे। नीलसन ने कहा, अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ (ईयू) को चुनेंगे। इस महीने तनाव तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने द्वीप पर अमेरिका के कब्जे की मांग को जोर शोर से उठाना शुरू कर दिया। उन्होंने बार-बार कहा है कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए सैन्य बल सहित कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रंप ने अपने इस तर्क को दोहराया कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करना होगा , वरना रूस या चीन ऐसा कर लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस क्षेत्र के लिए समझौता करना पसंद करेंगे लेकिन किसी भी तरह से ग्रीनलैंड अमेरिका को मिलना चाहिए। डेनमार्क के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्होंने बार-बार कहा है कि यह क्षेत्र बिकाऊ नहीं है। डेनमार्क की संसद ने पिछले साल जून में एक विधेयक पारित किया था, जिसके तहत डेनमार्क की धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थापित करने की अनुमति दी गई थी। इसने 2023 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के साथ हुए एक पूर्व सैन्य समझौते का विस्तार किया, जिसके तहत अमेरिकी सैनिकों को स्कैंडिनेवियाई देश में डेनिश हवाई अड्डों तक व्यापक पहुंच प्राप्त थी। ग्रीनलैंड की व्यापार और खनिज संसाधन मंत्री नाजा नथानीलसन ने कहा कि यह अकल्पनीय है कि अमेरिका नाटो सहयोगी पर कब्जा करने पर चर्चा कर रहा है और उन्होंने ट्रंप प्रशासन से आर्कटिक द्वीप के लोगों की आवाज सुनने का आग्रह किया। ब्रिटेन की संसद में सांसदों के साथ एक बैठक में नथानीलसन ने कहा, लोग सो नहीं पा रहे हैं, बच्चे डरे हुए हैं। आजकल हर जगह यही माहौल है। हम इसे ठीक से समझ नहीं पा रहे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886